रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:76 | शनिवार,22 नवम्बर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में न्यूनतम तापमान बढ़ने से ठंड में आई कमी

संवाददाता

रांची : झारखंड में पिछले दो दिनों से ठंड में कुछ कमी आई है और न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। शुक्रवार को रांची का न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले बुधवार को यह 11.3 डिग्री सेल्सियस था। इसी प्रकार जमशेदपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि शुक्रवार को तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, डाल्टनगंज में बुधवार को 9.5 डिग्री सेल्सियस की तुलना में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में न्यूनतम औसत तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, राज्य भर में दिन में धूप में कम तल्खी महसूस हो रही है, जबकि रात में भी कनकनी में कमी आई है। रांची और आसपास के इलाकों में इन दिनों रात में कुहासा छा रहा है। हालांकि, सुबह होते ही मौसम पूरी तरह से साफ हो रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि आनेवाले दो दिनों तक राज्य में सुबह कुहासा छाया रहेगा।

देश में उन्नत टीका निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता

रांची : नई दिल्ली : देश में उन्नत टीकों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने नवी मुंबई स्थित टेकइन्वेंशन लाइफ केयर लिमिटेड को 16-वैलेंट न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी-16) के स्वदेशी उत्पादन के लिए वाणिज्यिक स्तर की सीजीएमपी सुविधा स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दी है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, पीसीवी-16 वैक्सीन 16 विशेष न्यूमोकोकल सिरोटाइप पर आधारित है, जो भारत और अन्य निम्न- एवं मध्यम-आय वाले देशों में इनवेसिव न्यूमोकोकल बीमारी, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और उच्च मृत्यु जोखिम से जुड़े पाए जाते हैं। इसमें 13 सिरोटाइप वैश्विक टीका प्लेटफॉर्म से मेल खाते हैं, जबकि 12एफ, 15ए और 22एफ जैसे तीन उभरते सिरोटाइप शामिल किए गए हैं ताकि गैर-वैक्सीन समूहों से बढ़ते खतरों के खिलाफ व्यापक सुरक्षा मिल सके।

केरल में रक्फ़पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस, स्थगित करने की है मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरल सरकार की उस अर्जी पर इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (एउक) को नोटिस जारी किया, जिसमें राज्य में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (एउक) के आदेश पर वोटर रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) को टालने की मांग की गई थी. राज्य ने कोर्ट में अर्जी देकर रक्फ़ की प्रक्रिया को कम से कम आने वाले लोकल बॉडी इलेक्शन के बाद तक टालने की मांग की थी.

समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। विश्वविद्यालय के फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी,सिक्योरिटी मैनेजमेंट, एमएससी इन फॉरेंसिक साइंस, एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।

झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय ने मनाया पहला दीक्षांत समारोह

21 छात्रों को मिला गोल्ड मेडल प्रवर बाणी संवाददाता

संवाददाता

रांची : झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के नौ वर्ष बाद आज रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया। वर्ष 2016 में स्थापित इस विश्वविद्यालय के इतिहास में आज का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हो गया। समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। विश्वविद्यालय के फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, सिक्योरिटी मैनेजमेंट, एमएससी इन फॉरेंसिक साइंस, एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। कुल 673 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 21 मेधावी छात्रों को गोल्ड मेडल दिया गया। इसमें यूजी के 2019 के बाद और पीजी के 2020 के बाद पासआउट विद्यार्थी शामिल हैं। स्वागत भाषण में कुलपति राहुल कुमार पुरवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए खूंटी में 75 एकड़ में बनने वाली भवन निर्माण परियोजना अंतिम चरण में है और आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय का अपना भव्य भवन तैयार होगा।

झारखंड के 18 और बंगाल में 24 ठिकानों पर हुई छापेमारी, कैश और गहने बरामद

अवैध खनन व कोयला चोरी के मामले में ईडी की ताबड़तोड़ रेड

संवाददाता

शुक्रवार को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला चोरी, अवैध खनन और तस्करी को लेकर बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीम ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ रेड मारी। झारखंड के 18 और बंगाल के 24 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। छापेमारी के दौरान ईडी ने कई दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। इस दौरान कई डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए। छापेमारी के दौरान ईडी ने धनबाद से एलबी सिंह के ठिकानों से कैश भी बरामद किया है। बंगाल में छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में कैश और जेवर बरामद किए गए। बता दें कि ईडी ने यह कार्रवाई अवैध कोयला खनन, चोरी और तस्करी के जरिए सरकारी राजस्व को पहुंचाए गए सैकड़ों करोड़ों रुपये के भारी वित्तीय नुकसान को लेकर की। ईडी के रांची और कोलकाता जोनल ऑफिस ने खास इनपुट के आधार पर संयुक्त ऑपरेशन सुबह से ही शुरू किया। जिन 40 से अधिक ठिकानों पर छापे मारे गए, उनमें संदिग्धों से जुड़े निजी आवास, दफ्तर और अन्य व्यावसायिक स्थान शामिल हैं। झारखंड में इनके ठिकानों की तलाशी : ईडी का रांची जोनल ऑफिस की टीम ने अकेले झारखंड में 18 महत्वपूर्ण ठिकानों पर छापेमारी की। ये छापे राज्य में कोयला चोरी और तस्करी के कई बड़े और गंभीर मामलों से जुड़े हैं। जिनके ठिकानों पर छापेमारी चली, उनमें अनिल गोयल, संजय उद्योग, एल बी सिंह और अमर मंडल के नाम वाली संस्थाओं के ठिकानों पर छापेमारी की गई।

ईडी की टीम पहुंचते ही खोल दिए कुत्ते

विधायक सोमेश सोरेन ने ली विधानसभा सदस्यता की शपथ

संवाददाता

रांची : घाटशिला उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले जेएमएम के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में अपने पद और गोपनीयता की शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने अपने कार्यालय कक्ष में उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर जेएमएम के वरिष्ठ नेता स्टीफन मरांडी सहित बड़ी संख्या में घाटशिला से आए समर्थक भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने कहा कि हाल में हुए घाटशिला उपचुनाव कठिन और जटिल दोनों था, लेकिन जनता का विश्वास और समर्थन सोमेश चंद्र सोरेन को मिला। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायक को बधाई देते हुए कहा कि राजनीतिक जीवन में उनकी सफलता की कामना करता हूं। मीडिया से बातचीत में सोमेश चंद्र सोरेन ने घाटशिला की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा– 'इस जीत का श्रेय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, राज्य सरकार के मंत्रियों और महागठबंधन के सभी नेताओं को देता हूं।' उन्होंने अपने दिवंगत पिता, पूर्व विधायक रामदास सोरेन को याद करते हुए कहा कि वे उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में लगातार प्रयास करेंगे। सोमेश चंद्र सोरेन ने कहा–

दुबई एयरशो में बडा हादसा

भारत का तेजस फाइटर जेट क्रैश, पायलट की मौत

एजेंसी

दुबई : दुबई एयर शो में प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ है। एयरशो के दौरान दुबई में भारत का एक तेजस लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। इसमें सवार पायलट की मौत हो गई। बताया जा है कि आसमान में कलाबाजियां करते हुए तेजस विमान अचानक जमीन से टकरा गया और फिर जोरदार ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद सिर्फ भीषण आग की लपटें उठती दिखी। आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। यह घटना स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 2:10 बजे हुई, जब हजारों दर्शक विमान के करतब देख रहे थे। हवा में मोड़ लेते समय अचानक पायलट ने स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस पर से नियंत्रण खो दिया और विमान तेजी से जमीन से टकरा गई। इस दुर्घटना के बाद दुबई एयर शो को अस्थाई तौर पर रोका गया है। भारतीय वायुसेना ने दुबई मेंतेजस विमान के क्रैश होने की पुष्टि की है। आईएएफ ने बताया, 'दुबई एयर शो 2025 में भारतीय वायु सेना का एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। फिलहाल आगे की जानकारी का पता लगाया जा रहा है।' यह तेजस विमान से जुड़ी दूसरी दुर्घटना है, पहली दुर्घटना 2024 में जैसलमेर के पास हुई थी। दुबई एयर शो हर दो साल में आयोजित होता है और इसे दुनिया के बड़े एयरोस्पेस कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। इसमें 150 देशों के 1,500 से अधिक एक्जीबीटर और 1,48,000 से अधिक उद्योगविशेषज्ञ हिस्सा लेते हैं।कलाबाजियां करते हुए अचानक जमीन से टकरा गया तेजस विमान .. जोरदार ब्लास्ट से लगी भीषण आग .. दोपहर 2:10 बजे हुई घटना।

झारखंड विधानसभा 25 वर्षों की संवैधानिक प्रतिबद्धता का आज बनेगा साक्षी, तैयारी पूरी

एजेंसी

सजेगी सुरों की महफिल

रांची : झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस को भव्य और यादगार बनाने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। समारोह का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह होगा। इस अवसर पर देश की सीमा पर और नक्सल अभियान में शहीद हुए पुलिसकर्मियों और सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा। शाम को 6 बजे से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। इसमें प्रख्यात गायक रूप कुमार राठौर अपने मधुर गीतों से समां बांधेंगे। उनके साथ हास्य कवि दिनेश बावरा और रविंद्र जानी भी अपनी प्रस्तुति देंगे। स्थानीय कलाकारों, जैसे प्रमान्द नन्दा और मृणालिनी अखोरी, द्वारा लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति भी होगी, जो झारखंड की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करेगी। उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार से भाजपा विधायक राज सिन्हा को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ियों और सामाजिक क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा। झारखंड विधानसभा इस वर्ष 22 नवंबर 2025 को अपनी स्थापना की रजत जयंती (25वीं वर्षगांठ) मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दक्षिण अफ्रीका | **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका पहुंचे,**

जी20 शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 3 दिवसीय यात्रा पर दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत किया गया. प्रधानमंत्री मोदी जी20 शिखर सम्मेलन से इतर छठे आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे. अफ्रीका में पहली बार जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है. पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यात्रा की जानकारी देते हुए लिखा, ह्यजी20 शिखर सम्मेलन जुड़े कामों के लिए जोहान्सबर्ग पहुंचा हूं. दुनिया के नेताओं के साथ जरूरी वैश्विक मुद्दों पर अच्छी बातचीत का इंतजार है. हमारा फोकस सहयोग को मजबूत करने, डेवलपमेंट की जरूरतों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए बेहतर भविष्य पक्का करने पर होगा.ह्ल इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि वह वसुधैव कुटुंबकम तथा एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे. कई नेताओं से भी करेंगे मुलाकात : शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री के जोहानिसबर्ग में उपस्थित कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है. वहां वह छठे आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे. पीएम मोदी इस दौरान अन्य देशों को नेताओं से मुलाकात के दौरान व्यापार के अलावा कई मुद्दों पर बात करेंगे.जमीन पर लेटकर सम्मान करना कई अफ्रीकी समुदायों में अतिथि-सम्मान का सर्वोच्च तरीका माना जाता है. यह भावनात्मक, सांस्कृतिक और गहरे सम्मान की अभिव्यक्ति है. तस्वीर में दिखता है. महिलाएं पारंपरिक अफ्रीकी पोशाक में जमीन पर लेटकर सम्मान दे रही हैं. और पीएम मोदी झुककर हाथ जोड़कर उनका अभिवादन स्वीकार कर रहे हैं. इस दृश्य ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत की वैश्विक छवि सिर्फ राजनीति या कूटनीति से नहीं, बल्कि दिलों के रिश्तों और सम्मान की संस्कृति के जरिए भी लगातार मजबूत हो रही है.जोहान्सबर्ग पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी ने पर अपने पोस्ट में लिखा, ह्लजोहान्सबर्ग पहुंचकर मुझे बेहद खुशी हो रही है. मैं जी-20 समिट से जुड़ी अहम बैठकों में भाग लूंगा. दुनिया भर के नेताओं के साथ हमारी चर्चा वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने और विकास की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहेगी. हमारा लक्ष्य सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है.यह संदेश बताता है कि भारत सिर्फ सहभागी बनकर नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व को दिशा देकर आने वाले फैसलों में बड़ा योगदान देने जा रहा है.

झारखंड में एसआईआर किसी भी कीमत पर न हो लागू : वेणुगोपाल

एजेंसी

रांची : झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर पार्टी के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने झारखंडवासियों को सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिया की किसी भी कीमत पर एसआईआर को झारखंड में लागू नहीं होने दें। जनता के हित में इसका कड़ा और प्रभावी विरोध होना चाहिए। वेणुगोपाल ने यह बातें स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से नई दिल्ली स्थित पार्टी के कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान कही। इसकी जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पार्टी के महासचिव ने उन्हें अस्पतालों की व्यवस्था और बेहतर करने और नई तकनीक के इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। अंसारी ने कहा कि बिहार चुनाव पार्टी महासचिव ने उन्हें आश्वस्त किया और संगठन का काम बेहतर तरीके से करने को कहा। उन्होंने बताया कि महासचिव ने झारखंड में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता संगठन को लेकर मेहनत कर रहे हैं और चुनाव में हार-जीत भविष्य तय नहीं करती है, लेकिन सच्चाई हमेशा जनता तक पहुंचती है। वेणुगोपाल ने कहा कि हरेक कार्यकर्ता को जनता के बीच रहकर काम करने की जरूरत है। मौके पर अंसारी ने झारखंड में सभी विभागों के कार्य-उपलब्धियों और प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

डीएसपीएमयू में साहित्य, कला व रचनात्मकता के संग नए विद्यार्थियों का स्वागत

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के स्नात्तकोत्तर अंग्रेजी विभाग में आयोजित 'आरम्भ 4.0' फ्रेशर्स कार्यक्रम नए विद्यार्थियों के लिए साहित्य, कला और रचनात्मक ऊर्जा से भरपूर यादगार शुरूआत बन गया. कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. विनय भरत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को साहित्य में गहराई तक उतरना होगा. उन्हें केवल साहित्य ही नहीं, बल्कि मानवता, नैतिक मूल्य और लेखन-पुनर्लेखन की आदत भी विकसित करनी होगी.

आज की पीढ़ी एंड्रॉयड फोन और अक के दौर में जन्मी है, इसलिए प्रतिस्पर्धा कठोर है, परन्तु मनुष्य की संवेदना और मौलिकता की बराबरी कोई नहीं कर सकता– इसीलिए साहित्य में अनंत संभावनाएं हैं. उन्होंने नए विद्यार्थियों को साहित्य की मूल आत्मा से जुड़े रहने और रचनात्मकता को अपनी शक्ति बनाने का संदेश दिया. कार्यक्रम में बीए 2025-2029 और एमए 2025-2027 बैच के छात्रों का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया. शुरूआत अनिश वंदना एक्का के प्रार्थना गीत से हुई, जिसके बाद पीयूष रानी, राशि, सलोमी और शिल्पा के नृत्य प्रदर्शनों ने वातावरण में ऊर्जा भर दी. अंजली और रानी काजल की संयुक्त प्रस्तुति ने दर्शकों से लगातार तालियां बटोरीं, जबकि ललिता, साक्षी गिरी, मुस्कान समूह, त्रिशा समूह और सलोमी समूह ने मंच को रचनात्मक रंगों से भर दिया.

साहित्यिक सौंदर्य को आगे बढ़ाते हुए स्तुति जैन ने अंग्रेजी कविता का प्रभावशाली पाठ किया. नेहा कुमारी और जसमनी की शायरी और कविता ने दर्शकों को गहरी भावनाओं से जोड़ दिया. मंच संचालन अजीत आर्या और प्रीति ने सहज और संतुलित ढंग से संभाला. शिक्षक कर्मा कुमार, दिव्या प्रिया और रिसर्च स्कॉलर मो दिलशाद ने अपनी मधुर गायन प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा, जबकि शिक्षक सुमित मिंज और स्टाफ सदस्य संदीप ने नए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं. विभागीय शिक्षक डॉ विनय भरत, दिव्या प्रिया, सुमित मिंज, कर्मा कुमार, मो. दिलशाद और संदीप की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमामय बनाया.

झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय ने मनाया पहला दीक्षांत समारोह, 21 छात्रों को गोल्ड मेडल

झारखंड की पहचान साइबर अपराध से नहीं, 'सुरक्षा शिक्षा' के मजबूत केंद्र के रूप में हो : राज्यपाल

रांची, संवाददाता ।

अपनी स्थापना के नौ वर्ष बाद झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय ने आज रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया. वर्ष 2016 में स्थापित इस विश्वविद्यालय के इतिहास में आज का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हो गया. समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. वहीं, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. विश्वविद्यालय के फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, सिक्योरिटी मैनेजमेंट, एमएससी इन फॉरेंसिक साइंस, एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई. कुल 673 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 21 मेधावी छात्रों को गोल्ड मेडल दिया गया. इसमें यूजी के 2019 के बाद और पीजी के 2020 के बाद पासआउट विद्यार्थी शामिल हैं.

रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आज अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि युवा पारंपरिक प्रशिक्षण तक ही सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक तकनीक और उभरती चुनौतियों की समझ विकसित करें. साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध मनोविज्ञान, पुलिस प्रबंधन, खुफिया विश्लेषण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दक्षता आज के समय की आवश्यकता है. वे शुक्रवार को रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान ह्यजामताड़ाह्ण के साइबर अपराधह्ण के लिए न हो, बल्कि ह्लसुरक्षा शिक्षाह्व के एक मजबूत केंद्र के रूप में हो. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित युवा राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे. राज्यपाल ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं होता, बल्कि वह उस संस्था की विचारधारा, उपलब्धियों और समाज द्वारा उसके प्रति व्यक्त विश्वास का प्रतीक होता है. झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आज अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है. इस विश्वविद्यालय की आधारशिला सादगी और कर्मशीलता के प्रतीक देश के पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर ने रखी थी. इस संस्थान के गठन का उद्देश्य केवल एक अकादमिक संस्था स्थापित करना ही नहीं था, बल्कि ऐसा शिक्षण केंद्र विकसित करना था जो युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा-दृष्टि, वैज्ञानिक सोच और प्रशासनिक दक्षता का समन्वित विकास कर सके.

स्वागत भाषण में कुलपति राहुल कुमार पुरवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए खूंटी में 75 एकड़ में बनने वाली भवन निर्माण परियोजना अंतिम चरण में है और आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय का अपना भव्य भवन तैयार होगा. मंत्री सुदिव्य कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के लिए गुरुकुल से मिली महत्वपूर्ण दीक्षा है. उन्होंने कहा कि यह भूमि छात्रों के लिए मंदिर है.

रिम्स निदेशक ने भ्रामक खबरों पर जताई कड़ी नाराजगी, कानूनी कार्रवाई की तैयारी

रांची, संवाददाता ।

रिम्स प्रबंधन ने हाल के दिनों में संस्थान से जुड़ी लगातार भ्रामक एवं नकारात्मक खबरों पर कड़ी आपत्ति जताई है. निदेशक डॉ. राजकुमार ने अपने संबोधन में कहा है कि जैसे ही रिम्स से संबंधित किसी जनहित याचिका पर चर्चा होती है, कुछ माध्यम मनगढ़ंत सूचनाएं प्रसारित करने लगते हैं, जिससे जनता भ्रमित होती है और संस्थान की छवि को अनावश्यक नुकसान पहुंचता है. निदेशक के अनुसार, अदालत के संज्ञान लेने पर संस्थान को अपनी ताकत इन गलत रिपोर्टों का खंडन करने में लगानी पड़ती है, जिससे रिम्स का मुख्य उद्देश्य जनता को गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना प्रभावित होता है. डॉ. राजकुमार ने यह भी कहा कि रिम्स एक विशाल और बहुआयामी संस्थान है, जहां तमाम व्यवस्थाओं के बावजूद कभी-कभार ऐसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं, जो प्रबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं. ऐसे समय में गलत खबरें स्थिति को और जटिल बना देती हैं. उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बीच निरंतर काम कर रहे रिम्स को कई बार निराधार रिपोर्टों का जवाब देने में महत्वपूर्ण समय और संसाधन खर्च करने पड़ते हैं. इससे अधिकारियों की कार्यक्षमता, उत्पादकता और मनोबल पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. निदेशक ने जानकारी दी कि कुछ मीडिया संस्थान बार-बार तथ्यहीन खबरें प्रकाशित कर रहे हैं, जिसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. एक खबर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रिम्स में कंबलों की कमी संबंधी दावा पूरी तरह गलत है. उनके अनुसार, संस्थान में पर्याप्त संख्या में कंबल उपलब्ध हैं. साथ ही ब्लैंकेट बैंक भी संचालित हो रहे हैं, जहां मरीजों के परिजन 100 रुपये जमा कर कंबल ले सकते है।

हर परिवार की महिलाओं को स्वावलंबी बनाना विभाग का लक्ष्य : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, संवाददाता ।

झारखंड उद्यान निदेशालय की ओर से मांडर के बिसाहा खटंगा पंचायत और बेड़ो के नेहालू पंचायत में उद्यानिकी प्रशिक्षण, कार्यशाला सह उपादान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की उपस्थित रहीं. पांच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में सुदूर ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को मशरूम उत्पादन तथा ग्रामीणों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण प्राप्त सभी महिलाओं को प्रमाण पत्र के साथ 30 मशरूम बैग उपलब्ध कराए गए, जबकि मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण लेने वाले ग्रामीणों को बी-कीपिंग किट वितरित की गई. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने विशेष रूप से महिला किसानों को चिन्हित किया है.

इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अपने गांव, अपनी जमीन और अपने परिवार के बीच ही रोजगार उपलब्ध हो जाए, तो पलायन की जरूरत नहीं पड़ती. उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन इसी सोच का हिस्सा हैं. हजारीबाग की महिलाओं की तरह मांडर क्षेत्र की महिलाएं भी भविष्य में मशरूम उत्पादन कर लाखों रुपये कमा सकती हैं. उन्होंने कहा कि बिसाहा खटंगा पंचायत मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना सकती है, लेकिन इसके लिए महिलाओं को मजबूत इच्छा शक्ति दिखानी होगी.

मंत्री ने बताया कि पहले योजनाओं को पूरे राज्य में बिखरा दिया जाता था, लेकिन अब क्लस्टर मॉडल पर योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है. झारखंड के जंगल, पहाड़ और प्राकृतिक वातावरण मधुमक्खी पालन के लिए अनुकूल हैं, इसलिए विभाग इसे बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रहा है. उन्होंने अधिकारियों को बेहतर काम करने वाली महिलाओं को एक्सपोजर ट्रेनिंग दिलाने का निर्देश दिया. महिलाओं को प्रेरित करते हुए मंत्री ने कहा कि कड़ी मेहनत और इच्छा शक्ति से वे अपना सुनहरा भविष्य गढ़ सकती हैं. सफलता की राह में चुनौतियाँ आएंगी, लेकिन जीत उसी की होगी जो बिना रुके अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ता रहेगा. कार्यक्रम में संयुक्त कृषि निदेशक शशिभूषण अग्रवाल, इञ्ड चंचला कुमारी, जिला उद्यान पदाधिकारी महेश राम, रमाशंकर, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मांगा उरांव, जमील मल्लिक, रविन्द्र नाथ, मुखिया स्नेहा एक्का, बेरनादत्ता, मुखिया बीरेंद्र भगत, आशा रानी पन्ना, करमा उरांव, नवल किशोर सिंह, शंभू, पंचू मिंज, जगन्नाथ लोहारा, पवन कुमार व सोमरा लोहरा उपस्थित थे.

जंगल वारफेयर कॉलेज नेटारहाट में रक्तदान शिविर, 240 यूनिट रक्त संग्रहित

रांची, संवाददाता ।

प्रशिक्षण निदेशालय पुलिस मुख्यालय झारखंड के मार्गदर्शन और डीआईजी जेडब्ल्यूएफएस के नेतृत्व में 21 नवंबर 2025 को जंगल वारफेयर स्कूल नेतरहाट परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में कुल 240 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसमें मुख्य रूप से एसएलसी प्रशिक्षुओं, अधिकारियों और जेडब्ल्यूएफएस, सीआईएटी और आईआरबी-4 के कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया. आयोजन का उद्देश्य प्रशिक्षणरत जवानों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना और आवश्यकता पड़ने पर रक्त उपलब्धता को सुनिश्चित करना था. रक्तदान शिविर के संचालन के दौरान स्वास्थ्य टीमों ने आवश्यक चिकित्सीय जांच और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए दाताओं की स्क्रीनिंग की. शिविर में आए प्रतिभागियों ने व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत रक्तदान किया, जिसके बाद उन्हें चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक देखभाल प्रदान की गई. जंगल वारफेयर स्कूल परिवार ने सदर अस्पताल रांची और लातेहार की मेडिकल टीम के प्रति सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया. आयोजन समिति ने कहा कि इस तरह के प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके.

रेलवे ने निर्माण व तकनीकी कार्य के चलते कई ट्रेनों का समय बदला, कुछ ट्रेनें रद्द

रांची, संवाददाता ।

रेलवे ने कई मार्गों पर निर्माण और तकनीकी काम चलने की वजह से कई ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है. साथ ही कुछ ट्रेनों को रद्द भी किया गया है. इसको लेकर रांची रेल मंडल ने यात्रियों को पहले ही जानकारी दे दी है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो.

हटिया-एरणाकुलम एक्सप्रेस देर से का समय बदला

दक्षिण मध्य रेलवे के नर्सिपटनम रोड और गुल्लिपाडु स्टेशनों के बीच पुल निर्माण का काम चल रहा है. इस कारण कई ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है. इस कारण हटिया-एरणाकुलम एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22837) 24 नवंबर को हटिया से 2 घंटे 40 मिनट देर से चलेगी.

धनबाद-अल्लाप्पुझा एक्सप्रेस भी देरी से चलेगी

दक्षिण मध्य रेलवे के नर्सिपटनम रोड और गुल्लिपाडु स्टेशनों के बीच पुल निर्माण का काम चल रहा है. उसी काम की वजह से धनबाद-अल्लाप्पुझा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13351) को 24 नवंबर को अपने तय समय से 3 घंटे देर से धनबाद से प्रस्थान करेगी.

आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस भी रहेगी रद्द

पूर्व मध्य रेलवे के कोडरमाझहजारीबाग रेलखंड में नए स्टेशन कथीतिया को शुरू किए जाने का काम चल रहा है. इसी कारण रांची रेल मंडल की दो महत्वपूर्ण ट्रेनें कुछ तारीखों पर रद्द रहेंगी.

आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13513) : 22, 23 और 24 नवंबर को रद्द रहेगी.

हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13514) : 22, 23 और 24 नवंबर को नहीं चलेगी.

ट्रांसफॉर्मरों के नीचे चल रहा जीवन-यापन

रांची, संवाददाता ।

राजधानी की सड़कों पर लगे दर्जनों बिजली ट्रांसफॉर्मर लोगों की सुरक्षा से ज्यादा जोखिम का कारण बनते जा रहे हैं. कर्बला रोड, पुरूलिया रोड, रातू रोड, और जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम जैसे व्यस्त इलाकों में ट्रांसफॉर्मरों के ठीक नीचे खुलेआम चाय, फल, पकोड़ा, ग्रील और पार्किंग जैसी दुकानें चल रही हैं. व्यस्त मार्गों पर विद्युत विभाग और नगर निगम की लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करती दिख रही है. धरातल से 5 से 20 फीट ऊंचाई पर लगे इन ट्रांसफॉर्मरों के नीचे दुकानें सजाकर लोग रोजी-रोटी कमा रहे हैं, लेकिन हर दिन एक बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं. खुले तारों पर कवर लगाए गए है. किसी भी वक्त चिंगारी, शॉर्ट सर्किट या ट्रांसफॉर्मर फटने की स्थिति से गंभीर हादसा हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की नजर अब तक नहीं पड़ी है.

इन इलाकों में ट्रांसफॉर्मर के नीचे चल रहा अवैध कारोबार

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम : कचहरी रोड स्थित स्टेडियम के सामने दोपहिया वाहनों की नई पार्किंग बनाई गई है, लेकिन इसके ठीक सामने लगे ट्रांसफॉर्मर के नीचे हर दिन सैकड़ों बाइक पार्क हो रही हैं. खतरा रोज बढ़ रहा है.

कर्बला रोड : पुरूलिया रोड से कर्बला चौक को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बड़ा ट्रांसफॉर्मर लगा है. इसके ठीक बगल में ग्रील की दुकानें संचालित हैं, जिससे बिजली हादसे का खतरा कई गुना बढ़ गया है.

पुरूलिया रोड (ऊसुलाइन स्कूल के सामने) : स्कूल-कॉलेज के छात्रों की भीड़ वाले इस स्थान पर ट्रांसफॉर्मर के नीचे वर्षों से चाय और पकोड़े की दुकान चल रही है. छात्र प्रतिदिन यहां जुटते हैं, लेकिन ऊपर सिर पर खतरनाक ट्रांसफॉर्मर लटका है.

डीएसपीएमयू में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का दूसरे दिन भी हल्ला बोल, प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में फीस वृद्धि को लेकर छात्रों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है.आज आंदोलन के दूसरे दिन भी अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ तालाबंदी कर धरना-प्रदर्शन जारी रखा. आज के प्रदर्शन में कॉमर्स विभाग के छात्रों के साथ आदिवासी छात्र संघ और आइसा से जुड़े सदस्यों ने भी एकजुट होकर हिस्सा लिया. छात्रों का आरोप है कि वे कई महीनों से बढ़ी हुई फीस में कटौती और विभाग में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन इसपर ध्यान नहीं दे रहा. छात्रों का कहना है कि प्रशासन न तो फीस कम कर रहा है और न ही बुनियादी सुविधाओं में सुधार कर रहा है.

एमकॉम के छात्र वसीम अंसारी ने बताया कि डेढ़ से दो महीने पहले हुए आंदोलन के दौरान प्रशासन ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. उन्होंने कहा कुलसचिव कमेटी रिपोर्ट का हवाला देते हैं, लेकिन रिपोर्ट छात्रों के साथ साझा नहीं की जा रही. इससे साफ है कि यह सिर्फ एक झांसा है. वहीं आइसा की कार्यकर्ता संजना मेहता ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इतने लंबे समय से छात्र आंदोलन कर रहे हैं, फिर भी कॉलेज प्रबंधन सुनने को तैयार नहीं. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कमेटी की रिपोर्ट पर कार्रवाई तभी होगी जब छात्र उग्र आंदोलन करेंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन सिर्फ अपनी जेब भरने में लगा है, उन्हें विद्यार्थियों की समस्याओं से कोई मतलब नहीं. इस बीच विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. कुलसचिव धनंजय द्विवेदी और डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. सर्वोत्तम कुमार ने कहा है कि छात्रों की मांगों को सुनने के बाद पहले ही एक कमेटी का गठन किया गया था. उन्होंने बताया कि कमेटी की रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और रिपोर्ट के आधार पर छात्रहित में फैसला लिया जाएगा.प्रदर्शन के दूसरे दिन भी छात्र कुलपति के समक्ष अपनी बात रखने की बात कही. कुलपति प्रदर्शन के दूसरे दिन भी विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को सुनने के लिए उपस्थित नहीं हुए. फिलहाल छात्र अपने आंदोलन को जारी रखने के मूड में हैं और उनका कहना है कि जब तक ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, प्रदर्शन जारी रहेगा.

झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस पर वीरगति प्राप्त होने वाले शहीदों के परिजनों को मिलेगा विशेष सम्मान, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो करेंगे सम्मानित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर देश की सीमा की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त होने वाले और राज्य के नक्सल अभियान में शहीद हुए झारखंड के वीर सपूतों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा. शहीदों के आश्रितों को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा. झारखंड वीरों की भूमि रही है. चाहे नक्सल अभियान हो या फिर देश की सीमा की रक्षा की बात, झारखंड के वीर जवान दोनों ही जगह बलिदान देकर भी देश और राज्य की रक्षा करते हैं. ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह शहीदों के परिजनों का भी विशेष ख्याल रखे. शहीदों को सम्मान देने के लिए ही झारखंड विधानसभा के 25वें स्थापना दिवस पर एक विशेष आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन में देश के लिए वीरगति प्राप्त होने वाले 16 जवानों के परिजनों को झारखंड विधानसभा में सम्मानित किया जाएगा. झारखंड विधानसभा के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह बताया गया है कि गृह कार्य आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा प्राप्त सूची में वर्णित शहीद सैनिक और अर्धसैनिक बल और राज्य पुलिस के आश्रितों को झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष के द्वारा 22 नवंबर को विधानसभा में सम्मानित किया जाएगा.

शहीद सैनिक, अर्धसैनिक बल, राज्य पुलिस के आश्रितों की सूची

रामदेव महतो, झारखंड पुलिस - शहीद रामदेव महतो के पिता नितिन महतो, मां यात्री महतो और पत्नी बबीता महतो को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

सिकंदर सिंह, झारखंड पुलिस - शहीद सिकंदर सिंह के पिता अशोक कुमार सिंह, मां जगत देवी और पत्नी सुधा देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

सुकन राम, झारखंड पुलिस - शहीद सुकन राम के पिता अमरजीत मांझी, मां कौशल्या देवी और पत्नी लक्ष्मी कुमारी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

चौहान हेंब्रम, झारखंड पुलिस - शहीद चौहान हेंब्रम के पिता नंदलाल हेंब्रम, मां रोशनी मुर्मू और पत्नी जयंती देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

सुनील धान, झारखंड जगुआर - शहीद सुनील धान की माता फगनी उराइन और पत्नी गंदरी धान को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

सुनील राम, झारखंड पुलिस - शहीद सुनील राम के पिता मूलधन राम, मां चंद्रावती देवी और पत्नी शोभा कुमारी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

संतान कुमार मेहता, झारखंड पुलिस - शहीद संतन कुमार के पिता राम धर्म मेहता और मन धन कालिया देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

महिमानंद शुक्ला, सीआरपीएफ - शहीद महिमानंद शुक्ला की पत्नी प्रिया देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

सुनील कुमार मंडल, सीआरपीएफ - शहीद सुनील कुमार मंडल की पत्नी कृष्णा मंडल को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

महराबम प्रबो सिंह, सीआरपीएफ - शहीद महराबम प्रबो सिंह की पत्नी अलीजा देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

प्रणेश्वर कोच, सीआरपीएफ - शहीद प्रणेश्वर कोच की पत्नी सावित्री को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

संदीप कुमार, सीआरपीएफ - शहीद संदीप कुमार की पत्नी सरस्वती देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

महेंद्र लश्कर, सीआरपीएफ - शहीद महेंद्र लश्कर की पत्नी मौसमी लस्कर को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

कप्तान करमजीत सिंह बक्शी, भारतीय सेना - शहीद करमजीत सिंह बक्शी की पत्नी हरजीत कौर बक्शी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

अग्निवीर शहीद अर्जुन महतो, भारतीय सेना - शहीद अर्जुन महतो की पत्नी हुलासी देवी को विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल, बोल-

अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा विश्वविद्यालय

संवाददाता । रांची

रांची :शुक्रवार को राज्यपाल-सहझारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार शुक्रवार को मोरहाबादी दीक्षांत मंडप में झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं होता, बल्कि वह उस संस्था की विचारधारा, उपलब्धियों और समाज द्वारा उसके प्रति व्यक्त विश्वास का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय आज अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय लिख रहा है। मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू भी मौजूद रहे। इस दौरान राज्यपाल ने 21 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं 673 स्टूडेंट्स के बीच डिग्री का वितरण किया गया। राज्यपाल ने कहा कि इस

विश्वविद्यालय की आधारशिला पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर ने रखी थी। इस संस्थान के गठन का उद्देश्य केवल एक अकादमिक संस्था स्थापित करना ही नहीं था, बल्कि ऐसा शिक्षण केंद्र विकसित करना था, जो युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा-दृष्टि, वैज्ञानिक सोच के साथ प्रशासनिक दक्षता का समन्वित विकास कर सके। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं और किशोरों में सैन्य व पुलिस सेवा के प्रति विशेष उत्साह देखा जाता है। वे कठिन परिश्रम करते हैं, परंतु उचित मार्गदर्शन के अभाव में कई बार सफलता से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में इस विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि युवा पारंपरिक प्रशिक्षण तक ही सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक तकनीक और उभरती चुनौतियों की समझ विकसित करें। साइबर सुरक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध मनोविज्ञान, पुलिस प्रबंधन, खुफिया विश्लेषण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दक्षता आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की पहचान 'जामताड़ा के साइबर अपराध' के लिए न हो, बल्कि सुरक्षा शिक्षा के एक मजबूत केंद्र के रूप में हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित युवा राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे।

मंत्री योगेंद्र ने किया रक्तदान शिविर एवं नवनिर्मित शल्य कक्ष (ऑपरेशन थिएटर) के उदघाटन

संवाददाता । रांची

बेरमो/ललपनियाः शुक्रवार को माननीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, योगेंद्र प्रसाद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमियामें 25वें झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर एवं नवनिर्मित शल्य कक्ष (ऑपरेशन थिएटर) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर माननीय मंत्री जी का भव्य स्वागत किया गया। माननीय मंत्री जी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की व फीता काटकर शल्य कक्ष व रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर को जनताको समर्पित किया। इस अवसरपर माननीय मंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार की यह प्राथमिकता है कि लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े। आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना, उपकरणों की उपलब्धता एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का विस्तार इनसभी प्रयासों के माध्यम से सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने केलिए कृत संकल्पित है। यहां क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है,इसी कड़ी में नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर स्थानीय लोगों को बेहतर उपचार और त्वरित चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र के लोगों को सुलभ,सुरक्षित व समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं यहाँ उपलब्ध होंगी। नए ऑपरेशन थिएटर के शुरू होने से जेनरल सर्जरी,सिजेरियन,गॉल ब्लाडर,पथरी सहित विभिन्न प्रकारकी शल्य चिकित्सा के सुविधाएं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,गोमिया में ही मिल सकेंगी। माननीय मंत्री जी ने रक्तदान शिविर में शामिल सभी दाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे श्रेष्ठ कार्य है और सरकार सदैव ऐसी जनहितकारी पहलों को प्रोत्साहित करती रहेगी। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग उपस्थित थे.

हजारीबाग डीसी कार्यालय में छात्रों का विशाल प्रदर्शन

संवाददाता । रांची

भुगतान लंबे समय से ठप पड़े रहने के विरोध में शुक्रवार को हजारीबाग जिला समाहरणालय परिसर में हजारों छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। विभिन्न कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों के छात्र सुबह से ही बैनरझपोस्टर लेकर उच्च कार्यालय पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों का कहना था कि वे अपनी पढ़ाई और भविष्य को लेकर गंभीर संकट में हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही। छात्रों ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच फंडिंग विवाद के कारण छात्रवृत्ति योजना अटक गई है, जिसका सीधा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। सामाजिक एवं जनजातीय कल्याण विभाग के मुताबिक, हजारीबाग जिले से 70,246 छात्रवृत्ति आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन अब तक केवल 3,700 छात्रों को ही राशि जारी की जा सकी है। जारी की गई राशि में भी अधिकतर लाभार्थी इंटर और स्नातक स्तर के छात्र हैं, जबकि हजारों छात्र उच्च शिक्षा के लिए राशि का इंतजार कर रहे हैं। छात्रों ने कहा कि छात्रवृत्ति की राशि उनके लिए केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि शैक्षणिक जीवन का आधार है। यही राशि उनकी कॉलेज फीस,

नगर निगम प्रशासक ने इंजीनियरिंग शाखा के अधिकारियों के साथ की मीटिंग

संवाददाता । रांची

नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर निगम रांची की इंजीनियरिंग शाखा की समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभागीय कार्यों की प्रगति, नए विकास कार्यों की रूपरेखा तथा भविष्य की प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से नये पार्किंग, अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, वेंडिंग जोन, पाथवे, आश्रयगृह और निगम की अन्य विकास योजनाओं के विषय में चर्चा की गई। इस दौरान नई योजनाओं को लेकर प्रेजेंटेशन भी दिया गया। प्रशासक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निगम की निजी संपत्तियों को सुंदर और आकर्षक स्वरूप देने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। निजी संपत्तियों के सौंदर्यीकरण से न केवल शहर का स्वरूप बेहतर होगा, बल्कि राजस्व वृद्धि में भी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि निगम की भूमि के बेहतर उपयोग की दिशा में व्यवहारिक एवं नवाचार आधारित सुझाव तैयार किए जाएं। निगम की खाली और उपलब्ध भूमि का योजनाबद्ध उपयोग करते हुए

सामुदायिक संरचनाएं, सार्वजनिक सुविधाएं तथा राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी विकास परियोजनाओं के लिए कार्य समयसीमा तय की जाए तथा प्रत्येक कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए। कार्यक्रम के अंतर्गत 'सेवा का अधिकार सप्ताह' की शुरूआत की गई। जिसमें योजनाओं से संबंधित आवेदन, समस्याएं और शिकायतें वार्ड वार शिविर लगाकर ली जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को सीधे लोगों के द्वार तक पहुंचाना, पारदर्शिता बढ़ाना और लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया को सरलबनाना है।

बेड़ो की खुखरा पंचायत में लगाया गया शिविर ग्रामीणों ने दिया आवेदन

संवाददाता । रांची

बेड़ो प्रखंड के खुखरा पंचायत में शुक्रवार को राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वारा' का शुभारंभ किया गया। पंचायत भवन परिसर में प्रखंड एवं अंचल से जुड़े सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों ने योजनाओं से संबंधित अपने आवेदन जमा किए। कार्यक्रम में वरीय प्रभारी एवं आईटीडीए डायरेक्टर संजयकुमार भगत ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकारी टीम गांव-गांव जाकर लोगों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है, यहीकार्यक्रम की सफलता है।

रांची में चला रहा एंटी-क्राइम अभियान, 56 स्थानों पर पुलिस की कड़ी निगरानी

संवाददाता । रांची

रांची शहर में बढ़ते अपराध पर रोक लगाने के उद्देश्य से रांची पुलिस इन दिनों बड़े पैमाने पर एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान चला रही है। रर्ढ राकेश रंजन के निर्देश पर शुरू हुआ यह अभियान लगातार कई दिनों से जारी है। शहर भर में बेवजह भीड़ लगाकर अड्डेबाजी करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है, साथ ही वाहनों की सघन जांच भी की जा रही है। अभियान फिलहाल 56 महत्वपूर्ण स्थानों पर संचालित हो रहा है।

पुलिस का कहना है कि इस विशेष चेकिंग अभियान का उद्देश्य शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और अपराधियों की गतिविधियों पर लगाम लगाना है। इसके तहत रांची के सभी संवेदनशील, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, मुख्य चौक-चौराहों तथा शहर के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर अचानक नाकेबंदी की जा रही है।

पुलिस टीमें संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रख रही हैं। बिना कागजात वाले या संदिग्ध रूप से घूम रहे वाहनों की गहन जांच की जा रही है ताकि चोरी के वाहनों और अवैध सामान की तस्करी को रोका जा सके।

पुलिस का कहना है कि इस विशेष चेकिंग अभियान का उद्देश्य शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और अपराधियों की गतिविधियों पर लगाम लगाना है। इसके तहत रांची के सभी संवेदनशील, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, मुख्य चौक-चौराहों तथा शहर के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर अचानक नाकेबंदी की जा रही है।

इसके साथ ही अभियान का मुख्य फोकस अवैध हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना है। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि चेकिंग के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रांची पुलिस का यह अभियान अगले कुछ दिनों तक इसी सख्ती के साथ जारी रहने वाला है।

ठंड की मार पर माही का गर्मजोशी भरा जवाबः शहरी पिछड़े इलाकों के स्कूली बच्चों को स्वेटर भेंट, सपनों को मिली नई उड़ान

ये स्वेटर सिर्फ ऊन के धागों से नहीं बने, बल्कि समाज की एकजुटता के धागों से बुने गए हैंः इबरार अहमद

संवाददाती

राँची, 21 नवंबर 2025ः सर्दी की दस्तक के साथ ही शहरी पिछड़े इलाकों के जरूरतमंद बच्चों की मुस्कान बिखेरने वाली एक नेक पहल राँची के ईस्लामनगर,पथलकुदवा में देखने को मिली। मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) की 'कोल्ड इज बोल्ड-एन इनिशिएटिव बाय माही' मुहिम ने रेड क्रेसेंट पब्लिक स्कूल के 35 छात्र-छात्राओं को उपहार स्वरूप गर्म स्वेटर भेंट कर उनकी शीतलहरी की परेशानी को कम किया। यह आयोजन न केवल शारीरिक सुरक्षा का

प्रतीक बना, बल्कि शिक्षा के द्वार पर खड़े इन नन्हों के भविष्य को मजबूत करने वाली कड़ी भी साबित हुआ।

शहरी पिछड़े इलाकों में ठंड के मौसम में यूनिफॉर्म और स्वेटर के अभाव से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो जाती है। माही ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए स्कूल में आयोजित समारोह में छात्र-छात्राओं को सम्मानपूर्वक स्वेटर वितरित किए। कार्यक्रम में माही के कन्वेनर व झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य इबरार अहमद ने मुख्य

भूमिका निभाई, जबकि फूल बागान पंचायत के सदर बदरू मल्लिक की उपस्थिति ने स्थानीय सहयोग को नई ताकत दी। स्कूल के प्रधानाध्यापक इम्तियाज अहमद, उप-प्रधानाध्यापिका मोसर्रत जहां, शिक्षिकाओं संगीता एक्का टोपनो, निकहत अंजुम, आभा रानी हेंब्रम, सिरीला डुंगडुंग, कांति खलको, गुलफशां फिरदौस, सानिया फरहा, आफरीन सबा, चांदनी तबस्सुम व नेहा रानी ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। माही के उपाध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह व मोहम्मद नजीब की मौजूदगी ने आयोजन को और समृद्ध किया।इस पहल से न केवल ड्रॉपआउट की आशंका कम होगी, बल्कि शहरी पिछड़े इलाकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। माही का यह प्रयास मौलाना आजाद के आदर्शों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सामाजिक समानता को मजबूत करने पर केंद्रित है।इबरार अहमद का संदेशः 'शिक्षा ही सच्ची गर्माहट, ठंड को हरा दें बच्चे' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माही के कन्वेनर इबरार अहमद ने कहा,

ब्रीफ न्यूज

बंधु तिर्की ने शिमला बिरयानी का उद्घाटन किया

संवाददाता ।

रांची। मेन रोड अंजुमन प्लाजा के बगल में शिमला बिरयानी का उद्घाटन पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने किया। उन्होंने बताया कि बिरयानी का स्वादिष्ट बहुत अच्छा है। बंधु ने कहा कि दुकान साफ सुथरा है । मैने बिरयानी खाया बहुत ही लाजवाब है । एक बार खाने से बार बार आने का मन करेगा। बहुत ही बेहतरीन जगह में दुकान खुला है यहां पार्किंग की भी सुविधा है । यहां परिवार के साथ आए और बिरयानी का लुत्फ लें। दुकान संचालक नफीस भाई ने बताया कि दुकान की शुरूआत लंच से लेकर रात के 11 बजे तक खुला रहेगा ।

जेएससीए का फरमान दुर्भाग्यपूर्ण, वापस लें - जदयू

संवाददाता ।

रांची। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा की भारत - दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच में नवजात बच्चों के लिए टिकट विक्रय करने संबंधी फैसला अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण है। जेएससीए को इसपर विचार करते हुए इसे वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्टेडियम में अलग अलग उम्र सीमा तय है, ज्यादातर जगहों पर तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए माता - पिता को टिकट लेने की बाध्यता नहीं है। हाल ही में हुए एशिया कप में चार साल की उम्र सीमा बच्चों के लिए रखी गयी थी। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (क्रउउ) ने भी विश्वकप में बच्चों के टिकट के लिए दो साल की उम्र तय की थी।श्री कुमार ने कहा एयरलाइन, रेलवे और रोड ट्रांसपोर्ट भी कम से कम दो से पाँच वर्ष के बच्चों का टिकट नहीं लेना पड़ता है। उन्होंने कहा की जेएससीए के इस फरमान से क्रिकेट प्रेमियों में निराशा है, इसे तत्काल वापस लेना चाहिए और कम से कम चार वर्ष तक के बच्चों के लिए कोई शुल्क नहीं ले।

बाबूलाल मरांडी के आरोप बेतुके, बिना प्रमाण के और राजनीतिक नाटकबाजी का हिस्सा : विनोद पांडेय

संवाददाता ।

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाये गये आरोपों को बेतुका, तथ्यहीन और राजनीतिक साजिश का हिस्सा बताया है।उन्होंने कहा कि भाजपा हर मामले में अपनी राजनीति चमकाने और झारखंड की व्यवस्था पर अविश्वास पैदा करने के लिए झूठ की खेती करती है, जबकि सरकार पारदर्शी जांच के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेता चाहते थे कि यह पूरा मामला झारखंड में किसी तरह राजनीतिक उथल-पुथल का कारण बने, लेकिन उनकी साजिश नहीं चली। अब वही लोग उत्तर प्रदेश भागकर अपने अकाओं की शरण में जाकर मनगढ़ंत कहानी गढ़ रहे हैं, ताकि झारखंड की पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया को बदनाम किया जा सके। भाजपा मामले को हाईजैक कर राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है उन्होंने कहा कि परीक्षा की जांच राज्य की एजेंसियां बारीकी से कर रही हैं।मरांडी जी झूठ बोलने से पहले तथ्यों की जांच कर लें। प्रवक्ता पांडेय ने चुनौती देते हुए कहा– ह्लमरांडी जी यह बताएं कि उनके पास कौन-सा ह्यपक्का सबूतह्ल है कि किसी पूर्व अधिकारी ने मोटी रकम ली या कोई साक्ष्य नष्ट कराया? सिर्फ ह्यहमें सूत्रों से सूचना मिलीह्ल जैसे जुमलों से वे युवाओं के गुस्से को भुनाना चाहते हैं।ह्य नेता आखिर क्यूं पत्रकारों की तरह सूत्रों के हवाले से बयान देने लगा है? यह बड़ा सवाल है। जिस नेता की बात में दम नहीं उसका नेतृत्व प्रभावशाली नहीं हो सकता !!! सीआईडी पर सवाल उठाना झारखंड की संस्थाओं का अपमान विनोद पांडेय का कहना है कि जांच टीम में फेरबदल सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन, भाजपा हर सरकारी प्रक्रिया को तोड़-मरोड़कर यह दिखाना चाहती है कि झारखंड की एजेंसियां सक्षम नहीं हैं। असल में भाजपा को झारखंड की संस्थाओं पर भरोसा ही नहीं। यदि भाजपा को इतनी चिंता है तो पहले यूपी व अन्य भाजपा शासित राज्यों के पेपर लीक पर जवाब दें। महासचिव पांडेय ने कहा कि भाजपा के शासन वाले राज्यों–उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान में पेपर लीक की घटनाएं फैक्टरी की तरह चल रही हैं। मरांडी जी पहले अपने घरों में लगी आग बुझाएं, फिर झारखंड को सीख देने आएं।

अंबा प्रसाद का विधायक पर हमला : मेरा शिलान्यास बोर्ड तोड़कर नाम लगाने में ही व्यस्त हैं बड़कागांव के विधायक

संवाददाता ।

ड़कागांव। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने वर्तमान विधायक रोशन लाल चौधरी पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि विधायक बनने के बाद चौधरी का ध्यान विकास कार्यों पर नहीं, बल्कि उनके द्वारा किए गए शिलान्यास पट्ट को तोड़कर अपना नाम लगाने पर केंद्रित है।अंबा प्रसाद ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों के लिए समय नहीं मिलता था, क्योंकि वे नए प्रोजेक्ट लाने और जनता की समस्याएँ सुलझाने में व्यस्त रहती थीं। मेरे द्वारा लाई गई कई योजनाओं के शिलान्यास बोर्ड तोड़कर अपना नाम लगाया जा रहा है। कांडाबेर, किरिगडाह, पतरातु, बड़कागांव स्वास्थ्य केंद्र मॉडर्नाइजेशन, बचरा रोड सहित दर्जनों जगहों पर यही किया गया,' उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बड़कागांव डिग्री कॉलेज, जिसे वर्षों की मेहनत से लाया गया और जिसका आधारशिला उनके समय में रखा गया था, उसे भी तोड़ने की कोशिश की जा रही है। अंबा प्रसाद ने कहा, 'जनता को धोखा देकर चुनाव तो जीत गए, लेकिन क्षेत्र के विकास के लिए आपकी नीयत अब तक दिखाई नहीं देती। आप चाहे जितनी तख्तियाँ बदल दें, योजनाएँ पास कराने का श्रेय नहीं बदल सकता।' अंत में उन्होंने वर्तमान विधायक को नसीहत दी– 'कुछ अपना प्रयास करिए विधायक

"आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" 21 से 28 नवम्बर तक मनाया जा रहा 'सेवा का अधिकार सप्ताह

जमशेदपुर, संवाददाता

राज्य सरकार द्वारा पूर्व निर्धारित आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को अब सेवा का अधिकार सप्ताह के रूप में 21 से 28 नवंबर तक मनाये जाने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम को झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 को प्राथमिकता देते हुए आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। साथ ही इन शिविरों में सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी आम-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी। इस कार्यक्रम अन्तर्गत जिले की सभी पंचायतों में कम-से-कम एक शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इन शिविरों में निम्नांकित गतिविधियों का होगा सम्पादन :-

(क) शिविर में आवेदनों की प्राप्ति :-

(1) आम जनों से झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं एवं तत्संबंधी समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त किया जाएगा एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा।

(2) इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य सेवा प्रक्षेत्र (सर्विस फोकस एरिया) के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जायेंगे।

(ई) इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य सेवा प्रक्षेत्र (सर्विस फोकस एरिया) के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जायेंगे।

- जाति प्रमाण पत्र
- स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र
- आय प्रमाण पत्र
- जन्म प्रमाण पत्र
- मृत्यु प्रमाण पत्र
- नया राशन कार्ड
- दाखिल खारिज मामलों का निष्पादन
- भूमि की मापी (मेजरमेंट ऑफ लैंड)
- भूमि धारण प्रमाण पत्र
- विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदन

(3) उपरोक्त के अतिरिक्त झारखण्ड राज्य सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध आम जनों से जुड़ी अन्य सेवाओं तथा लोक-कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किये जाएंगे।

(ख) ऑन-द-स्पॉट शिकायत निवारण :-

प्रत्येक शिविर में प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर पंजीकृत किया जायेगा। आवेदनों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निवारण करते हुए समाधान/निष्पादन कागजात के साथ आवेदक की तस्वीर पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। इस श्रेणी के तहत लोगों की शिकायतें शिविर में ही दर्ज की जायेगी और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि ऐसी शिकायतों का समाधान उसी दिन किया जाएगा तथा अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा के अन्दर आवेदन का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। आवेदनों की ट्रेकिंग भी सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाएगी।

हस्त टाइटंस ने जीता मारवाड़ी प्रीमियर्स लीग का खिताब, जेडीएमएल को 154 रनों से मात

कोडरमा, संवाददाता

मारवाड़ी प्रीमियर्स लीग के रोमांचक और बहुचर्चित फाइनल मुकाबले में हस्त टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेडीएमएल को 154 रनों से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। पूरे टूर्नामेंट में उतारझचढ़ाव भरे मुकाबलों के बाद खेला गया फाइनल कई रोमांचक पलों का गवाह बना। फाइनल मैच में हस्त टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 230 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे जैमीन, जिन्होंने मात्र 26 गेंदों में तूफानी 96 रन ठोककर स्टेडियम में जोश भर दिया। वहीं कुशल अग्रवाल ने भी 26 गेंदों में शानदार 79 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, जेडीएमएल की गेंदबाजी हस्त टाइटंस के बल्लेबाजों के सामने बेअसर साबित हुई और कोई भी गेंदबाज रन रोकने में सफल नहीं हुआ। 230 रनों का पीछा करने उतरी जेडीएमएल की शुरूआत बेहद खराब रही। लगातार गिरते विकेटों के चलते टीम उभर नहीं सकी और पूरे 14 ओवर खेलने के बावजूद मात्र 76 रन ही बना पाई। हस्त टाइटंस की ओर से गेंदबाजी में कुणाल जैन सबसे सफल रहे, जिन्होंने 4 ओवर में मात्र 8 रन देकर 2 विकेट चटकाए। टूर्नामेंट के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भव्य आतिशबाजी के बीच किया गया। प्रतियोगिता में प्रत्येक प्लेयर ऑफ द मैच को रूपय 1100 का पुरस्कार दिया गया। वहीं शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए जैमीन को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया और उन्हें रूपय 2100 से सम्मानित किया गया। फाइनल की रनर-अप टीम जेडीएमएल को रूपय 5100, जबकि विजेता हस्त टाइटंस को रूपय 11,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। संपूर्ण आयोजन प्रयोजन निदेशक मंडल की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन समारोह में मंच के अध्यक्ष राहुल जैन ने सभी प्रयोजन निदेशकों सहित सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और आयोजन को सफल बनाने के लिए सबके प्रयासों की सराहना की। मारवाड़ी प्रीमियर्स लीग 2025 एक बार फिर झुमरीतिलैया में क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार पलों की सौगात देकर संपन्न हुआ।

सरकार आपके द्वार के तहत 'सेवा का अधिकार सप्ताह' कार्यक्रम में टुंडी विधायक द्वारा टुंडी के जीतपुर पंचायत में परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

धनबाद, संवाददाता

झारखण्ड सरकार के निर्देश पर सेवा का अधिकार सप्ताह के अवसर पर 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 21 नवम्बर 2025 को धनबाद जिला के टुंडी प्रखण्ड के जीतपुर पंचायत में कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में JSLPS सहित सरकार के विभिन्न विभागों का स्टॉल लगाया कर सरकार की योजनाओं का लाभ देते हुए कई परिसंपत्तियों एवं प्रमाण पत्रों का वितरण आगंतुक अतिथियों के कर कमलों से किया गया। इसी क्रम में JSLPS टुंडी के तत्वाधान में 4 समूहों के बीच 10.5 लाख रुपए का सीसीएल ऋण का चेक, समूह के सदस्यों के बीच आई डी कार्ड के साथ साथ बेहतर कार्य कार्य करने वाले समूहों एवं कैडर को प्रशस्ति पत्र का वितरण टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी टुंडी विशाल कुमार पांडेय के कर कमलों से किया गया।

पलामू में 80 करोड़ का सांप का जहर बरामद, अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पदार्फाश

- वन विभाग व डब्ल्यूसीसीबी की संयुक्त कार्रवाई में तीन तस्कर गिरफ्तार, पैंगोलिन शल्क भी जब्त

पलामू, संवाददाता

वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और पलामू टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अमलीजामा पहनाते हुए करीब 80 करोड़ रुपये मूल्य का सांप का जहर बरामद किया है। बरामद जहर की कुल मात्रा 1 किलो 200 ग्राम बताई गई है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी।

स्थानीय स्तर पर एकत्र किया जा रहा था जहर

सूत्रों के अनुसार यह जहर पलामू के ग्रामीण इलाकों में स्थानीय स्तर पर एकत्र किया गया था और इसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से विदेश भेजने की योजना थी। टीम कई दिनों से इस गिरोह पर नजर रखे हुए थी।

तीन तस्कर गिरफ्तार, सात हिरासत में

कार्रवाई के दौरान तीन प्रमुख तस्करों– मोहम्मद सिराज (देव, औरंगाबाद), मोहम्मद मिराज (देव, औरंगाबाद), राजू कुमार (कौवाखोह, हरिहरगंज, पलामू) को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा सात अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तस्करों के पास से पैंगोलिन का शल्क भी बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

तीन दिनों से चल रहा था अभियान

डब्ल्यूसीसीबी और पीटीआर की संयुक्त टीम पिछले तीन दिनों से लगातार छापेमारी कर रही थी। प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने पलामू एवं आसपास के इलाकों में सक्रिय व्यापारी नेटवर्क की जानकारी दी है, जिसके आधार पर आगे की छापेमारी जारी है।

जांच कई पहलुओं पर केंद्रित

पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बरामदगी की पुष्टि करते हुए कहा कि यह कार्रवाई वन्यजीव अपराध से जुड़े बड़े नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि यह जहर स्थानीय स्तर पर संग्रहित किया गया था और इसे बाहरी राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक भेजने की तैयारी थी। पूरे नेटवर्क की गतिविधियों की जांच जारी है और कई स्थानों पर छापेमारी अभी भी की जा रही है।

पहले भी हुई थी बड़ी कार्रवाई

ज्ञात हो कि पीटीआर की टीम ने इससे पूर्व भी वन्यजीव शिकार और अवैध व्यापार में शामिल गिरोहों पर बड़ी कार्रवाई की थी, जिसमें कई हथियार और अन्य सामग्री बरामद की गई थी।

सियाल गुदड़ी न्यूधौड़ा में शॉल व खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित

धनबाद, संवाददाता

सियाल गुदड़ी न्यूधौड़ा में बीसीसीएल की प्रगति महिला समिति के द्वारा शॉल एवं खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंदन फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव झा तथा आंगनबाड़ी सेविका नीलिमा ज्योति की मुख्य उपस्थिति रही। कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद ग्रामीण महिलाओं एवं बुजुर्गों को शॉल, चावल, दाल, तेल तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। चंदन फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव झा ने कहा कि सामाजिक सेवा ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म है और आगे भी ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। आंगनबाड़ी सेविका नीलिमा ज्योति ने कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता से भी अवगत कराया और समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुँचाने की अपील की। स्थानीय लोगों ने इस पहल के लिए प्रगति महिला समिति एवं चंदन फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया, इस कार्यक्रम में, मुख्य रूप से चित्रा शाहा, अर्चना राय, संगीता देवी, जयोधना आंगनबाड़ी सेविका निलिमा ज्योति आदि उपस्थित थी।

कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं कोटपा एक्ट के तहत हुई कार्रवाई

कोडरमा, संवाददाता

उपायुक्त, कोडरमा के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा द्वारा कोटपा एक्ट 2003, कोटपा एक्ट (झारखंड संशोधन) 2021 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत सदर अस्पताल से बागीटांड़ तक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। कुल 15 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से कोटपा एक्ट (झारखंड संशोधन), 2021 की धारा 4, 6(ए), 6(बी) एवं 6(सी) के तहत 3 प्रतिष्ठानों से कुल रूपय 1700/- का जुमार्ना वसूला गया। संबंधित प्रतिष्ठानों को यह भी अवगत कराया गया कि धारा 6(ए) के तहत साइनेंज प्रदर्शित करना अनिवार्य है। उन्हें बताया गया कि शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, न्यायालय परिसर एवं सार्वजनिक कार्यालयों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद की बिक्री एवं सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित है। सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू उत्पाद का सेवन एवं थूकना भी वर्जित है। साथ ही, संशोधित कोटपा कानून के अनुसार खुले सिगरेट एवं तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर भी पूर्ण प्रतिबंध है। निरीक्षण के दौरान कई खाद्य प्रतिष्ठान, दवा दुकानों एवं ठेला-खोमचा संचालकों का खाद्य लाइसेंस/पंजीकरण उपलब्ध नहीं पाया गया। सभी को शीघ्र फूड लाइसेंस प्राप्त करने हेतु आवेदन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने एवं अखाद्य रंगों का प्रयोग नहीं करने का निर्देश भी दिया गया। होटल ग्रीन हिल के निरीक्षण में किचन में गंदगी पाई गई, जिसके लिए नोटिस जारी किया गया तथा हल्दी का नमूना जाँच हेतु संग्रहित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित एवं मिसब्रांडेड ओ.आर.एस. की भी जाँच की गई।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने किया सेवा का अधिकार सप्ताह का शुभारंभ

पलामू, संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर में 'सेवा का अधिकार सप्ताह' की शुरूआत राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता, उपायुक्त समीरा एस और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन भी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने की है, इसलिए राज्यभर के प्रखंडों और पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उपायुक्त समीरा एस ने बताया कि 28 नवंबर तक जिलेभर में शिविर लगाकर प्रमाणपत्र, राशन कार्ड, पेंशन तथा राजस्व से जुड़े कार्यों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा। यह पहल प्रशासन और जनता के बीच सीधे संवाद को मजबूत करेगी। कार्यक्रम के दौरान मनरेगा, सिंचाई कूप, खाद्य सुरक्षा, अबुआ आवास, पशुपालन, जेएसएलपीएस और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को परिसंपत्तियाँ, चेक, टूलकिट और जॉब लेटर प्रदान किए गए। बड़ी संख्या में आमजन, सामाजिक कार्यकर्ता और अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एमकेएम स्टेडियम की स्वर्ण जयंती पर बोकारो में भव्य समारोह आयोजित

बोकारो, संवाददाता

बोकारो में स्थित मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम ने अपनी स्थापना के पाँच दशक पूरे करते हुए स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर लिया है। 1970 के दशक में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा निर्मित यह 40,000 क्षमता वाला आधुनिक खेल परिसर शहर की खेल विरासत और सामाजिक-तकनीकी विकास का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। स्टेडियम का उद्घाटन 21 नवंबर 1975 को तत्कालीन प्रबंध निदेशक श्री के. सी. खन्ना द्वारा किया गया था। तत्कालीन केंद्रीय इस्पात एवं खान मंत्री मोहन कुमार मंगलम की स्मृति में बनाए गए इस स्टेडियम को बोकारो को औद्योगिक नगरी के साथ खेल के क्षेत्र में भी नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से विकसित किया गया था। 400 मीटर का एथलेटिक्स ट्रैक, विस्तृत फुटबॉल ग्राउंड, तीरंदाजी क्षेत्र, वीआईपी गैलरी, प्रेस बॉक्स और खेल अकादमियों की आधुनिक सुविधाएँ इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाती हैं। स्टेडियम ने वर्षों के दौरान कई ऐतिहासिक प्रतियोगिताओं और अंतर्राष्ट्रीय मैत्री मैचों की मेजबानी की है। 1978-79 के बोकारो स्टील फुटबॉल कप में बीएसएल की टीम विजेता बनी थी। वहीं 1980 में रूस के कॉसमॉस क्लब और बीएसएफ के बीच खेले गए मैच ने बोकारो को वैश्विक फुटबॉल मानचित्र पर स्थापित किया। स्वर्ण जयंती समारोह में आज अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व खिलाड़ियों, एथलीटों और स्पोर्ट्स विभाग से जुड़े कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान संचार प्रमुख मणिकांत धान, पीआरओ अभिनव शंकर, अनिल कुमार, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहें.

गोमिया सीएचसी में मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया

बोकारो, संवाददाता

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया में आज पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने रक्तदान शिविर एवं नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के तुरंत बाद सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने स्वयं अपने हाथों से ऑपरेशन कर नई सुविधा को औपचारिक रूप से कार्यशील बना दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि यहां नियमित रूप से ऑपरेशन होते रहने चाहिए, ताकि स्थानीय मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके। अपने संबोधन में मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के नेतृत्व में बोकारो का स्वास्थ्य विभाग लगातार नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। सरकार आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, विशेषज्ञ डॉक्टर, आवश्यक उपकरण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से गोमिया और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। सिविल सर्जन ने बताया कि बोकारो सदर अस्पताल में प्रतिदिन ऑपरेशन हो रहे हैं और आज भी पथरी व अपेंडिक्स के ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। उन्होंने यह सुविधा धीरे-धीरे सभी सीएचसी में उपलब्ध कराने की बात कही।

दांतू पंचायत में सरकार के द्वार कार्यक्रम में मिला त्वरित लाभ

बोकारो, संवाददाता

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी पहल आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत शुक्रवार को कसमार प्रखंड के दांतू पंचायत में भव्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन प्रारंभ किया। शिविर में पेयजल एवं स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति, मनरेगा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, राजस्व सहित कई विभागों के काउंटर लगाए गए, जहाँ ग्रामीणों ने आवेदन जमा किए, शिकायतें दर्ज कराईं और अपनी पात्रता की जांच करवाई। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पेंशन स्वीकृति पत्र, राशन कार्ड, कृषि उपकरण, प्रमाणपत्र और अन्य परिसंपत्तियों का वितरण लाभार्थियों को सौंपा। वितरण के दौरान लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर योग्य व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। आज भूमि संबंधी कई मामलों का समाधान प्रारंभ किया गया है। जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज ने कहा कि ऐसे शिविरों से ग्रामीणों को घर के पास ही सुविधा मिलती है। विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद शेरे आलम ने बताया कि मंत्री योगेंद्र प्रसाद के निदेर्शानुसार हर समस्या पर गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं और विभागों को सभी लंबित मामलों का त्वरित निपटान करने का निर्देश दिया गया है। अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भूमिझराजस्व से जुड़े कई मामलों का स्थल पर ही सत्यापन किया गया है। ग्रामीणों ने इस शिविर को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलती है और प्रशासन के प्रति भरोसा बढ़ा है।

बीएसएल में 15 साल से बंद आरएसटी-5 का जीर्णोद्धार कार्य पूरा

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट ने शुक्रवार को अपने जल प्रबंधन विभाग के एक महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करते हुए रेडियल सेटलिंग टैंक #5 को सफलतापूर्वक पुनः संचालित कर दिया। लगभग 15 वर्षों से बंद पड़े इस उपकरण के जीर्णोद्धार से प्लांट की परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा। ग्रीन क्लोज्ड लूप वाटर सिस्टम का यह अहम हिस्सा अब ब्लास्ट फर्नेस गैस क्लीनिंग की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायता करेगा। यह चुनौतीपूर्ण कार्य मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) संजीव रंजन सिंह के नेतृत्व में अधिकारी एवं कर्मचारी–अंकित कुमार, शरद गंगवार, संजय आनंद, परिमल ओझा, बैद्यनाथ राम, मनोज कुमार और फिलीप किस्कु–की टीम ने पूरा किया। शॉप्स, एमआरडी और यांत्रिकी विभाग का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। आरएसटी #5 की पुनर्स्थापना से जल की बबार्दी कम होगी और क्लोज्ड लूप सिस्टम की दक्षता बढ़ेगी, जो इरछ की जल संरक्षण नीति को मजबूत करती है। आज अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन और अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनूप कुमार दत्त ने इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इस उपलब्धि के साथ ही फरुळ-7 के जीर्णोद्धार की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

विभाग बंटवारे पर नीतीश का मंथन, सीएम हाउस में मीटिंग

सम्राट चौधरी से 50 मिनट की मुलाकात; ललन सिंह-संजय झा, विजय चौधरी से डेढ़ घंटे चर्चा

पटना। बिहार में फिर एकबार नीतीश कुमार की सरकार बनी है। गुरुवार को हुए शपथ ग्रहण के बाद आज शुक्रवार को नई सरकार में विभागों का बंटवारा होने जा रहा है। बीजेपी के मंत्रियों के विभागों की लिस्ट लेकर सम्राट चौधरी उट हाउस पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक बात हुई। सूत्रों के मुताबिक, सम्राट चौधरी ने बीजेपी के मंत्रियों के विभागों की सूची मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सौंप दी है।इस के बाद जदयू की ओर से किन मंत्रियों को कौन-कौन से विभाग मिलने हैं, इस पर नीतीश कुमार के साथ सभी बड़े नेताओं की अहम बैठक हुई। करीब डेढ़ घंटे चली इस बैठक में बीजेपी की ओर से जिन विभागों की मांग की गई है, उन पर भी फाइनल बातचीत हुई है। बैठक में ललन सिंह, संजय झा और विजय कुमार चौधरी शामिल हुए।संभावना है कि दोपहर के बाद किसी भी समय विभागों के बंटवारा की लिस्ट जारी कर दी जाएगी।सूत्रों की मानें तो हमेशा की तरह गृह विभाग सीएम अपने पास रखेंगे। वहीं सम्राट चौधरी पहले की तरह वित्त मंत्रालय संभालेंगे। इंटरनेशनल शूटर और पहली बार मंत्री बनीं श्रेयसी सिंह को खेल विभाग का जिम्मा मिल सकता है। जबकि जदयू कोटे के मंत्रियों के पास पुराने विभाग फिर से रह सकते हैं।विभाग बंटवारे के बाद नई कैबिनेट की पहली बैठक होगी। जिसमें 18वीं विधानसभा के पहले सत्र की तारीख तय होगी और इस पर मुहर लग सकती है। सरकार गठन के बाद मंत्रियों की यह पहली औपचारिक बैठक होगी, कई अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। सीएम नीतीश कुमार थोड़ी देर में कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। इसको लेकर सीएम हाउस के बाहर कार्यकर्ताओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई है।परिवारवाद के आरोप पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव अपने परिवार को सम्मान नहीं कर सकते, अपनी बेटी-बहू का सम्मान नहीं कर सकते. तो राज्य की जनता उनका सम्मान कैसे करेगी। इसी में उनकी पार्टी का सूपड़ा साफ हुआ है। राहुल गांधी हो या तेजस्वी हो इस बात को समझना चाहिए, जिस ढंग से लालू जी की बच्ची और बहू उनके ऊपर बदसलूकी का आरोप लगाया मारपीट का आरोप लगाया यह दुर्भाग्यपूर्ण है और बिहार की जनता का इससे अपमानित हुआ है। बंगाल में रक्तक्रो लेकर के गिरिराज सिंह ने कहा कि बंगाल में रक्तक्रोगा। बंगाल से बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान को निकाला जाएगा। ममता दीदी अब बच्चा नहीं पाएंगे बंगाल को बांग्लादेश नहीं हम बनने देंगे. बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की हार हुई है। कांग्रेस ने मात्र 6 सीट जीती। कांग्रेस की वर्तमान व्यवस्था से नाराज कांग्रेसी आज सदाकत आश्रम में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इन नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के इस्तीफा की मांग की है। इन नेताओं ने दोनों पर बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट बेचने का आरोप लगाया था। नई सरकार के गठन के बाद आज विभागों का बंटवारा होना है। इससे पहले आज एलजेपी (रामविलास) चीफ चिराग पासवान ने पीसी की है। चिराग पासवान ने कहा कि साल 2009 पार्टी के लिए सबसे कठिन समय था, लेकिन 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में लोजपा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।इस बार विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। चिराग पासवान ने कहा कि पिता के निधन के बाद भी मैं अकेले चुनाव लड़ने के फैसले पर अडिग रहा।घोषणा की कि 28 नवंबर को पार्टी का स्थापना दिवस पटना में भव्य रूप से मनाया जाएगा। साथ ही, जनवरी में खरमास समाप्त होने के बाद पार्टी पूरे बिहार की यात्रा शुरू करेगी, जिसमें राज्य की छोटी-छोटी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चिराग पासवान ने आगे कहा कि दलित सेना का पुनर्गठन किया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी अरुण भारती को सौंपी गई है।नीतीश कैबिनेट के 26 मंत्रियों में से 3 महिलाएं हैं। हिस्सेदारी के हिसाब से नीतीश कैबिनेट में महिलाओं की भागीदारी 11 फीसदी है। लेसी सिंह, रमा निषाद और श्रेयसी सिंह को कैबिनेट में जगह मिली है।नीतीश कुमार ने लेसी सिंह पर फिर भरोसा जताया है। धमदाहा से 6 बार की विधायक लेसी सिंह पिछली सरकार में खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री थीं। इस बार उन्होंने राजद के संतोष यादव को 55 हजार से ज्यादा वोटों से मात दी है।बीजेपी से जुड़ी रमा निषाद चैनपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनी हैं। वे निषाद समुदाय से आती हैं, जो बिहार के पिछड़े वर्गों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आरजेडी के बृज किशोर बिंद को 8,362 वोटों से हराया।श्रेयसी सिंह को पहली बार कैबिनेट में जगह मिली है। जमुई सीट से बीजेपी विधायक हैं और नेशनल लेवल की शूटर हैं। श्रेयसी ने 2018 के कॉमन वेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग चैंपियन रह चुकीं श्रेयसी की छवि साफ-सुथरी और दमदार मानी जाती है। युवा और महिला चेहरा होने के कारण भाजपा ने उन्हें जिम्मेदारी दी है।

संक्षिप्त डायरी

हिलसा में युवक देसी कट्टा, जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

नालंदा। जिले के हिलसा अनुमंडल के थरथरी थाना क्षेत्र में देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार युवक को न्यायिक प्रक्रिया के बाद जेल भेज दिया गया। यह गिरफ्तारी बुधवार देर रात अमेरा पंचायत के दिरीपर गांव में हुई। गिरफ्तार युवक की पहचान थरथरी थाना क्षेत्र के अतवल बिरहा गांव निवासी काजू कुमार उर्फ रंजन के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, दिरीपर गांव में काजू कुमार की बाइक से एक बच्ची को हल्की चोट लग गई थी। इसी बात को लेकर बाइक चालक और स्थानीय लोगों के बीच विवाद शुरू हो गया। घटना के बाद काजू कुमार धमकी देते हुए अपने गांव लौट गया था। देर शाम वह अपने कुछ समर्थकों के साथ दोबारा दिरीपर गांव पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि उसके पास एक लोडेड देसी पिस्तौल थी। आरोप है कि गांव में प्रवेश करने से पहले उसने हवाई फायरिंग भी की। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और तुरंत थरथरी थाना पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि युवक को लोडेड देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर गुरुवार न्यायिक प्रक्रिया के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

दुल्हिन बाजार वार्ड 10 में जलजमाव की समस्या

पटना। जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड की सेलहौरी-बेलहौरी पंचायत के वार्ड संख्या 10 में गंभीर जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। लंबे समय से पानी जमा होने के कारण स्थानीय निवासियों का दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है। वार्ड में स्थित अस्पताल और स्कूल तक पहुंचने में मरीजों और बच्चों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। गांव के मुख्य मार्गों और गलियों में पानी भर जाने से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। गंदे पानी और कीचड़ के कारण रास्ते फिसलन भरे हो गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को विशेष परेशानी हो रही है, उन्हें अक्सर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी रोजाना जलजमाव वाले रास्तों से गुजरना पड़ता है। अभिभावक बच्चों के फिसलने या गंदे पानी से बीमार पड़ने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। लगातार जमा पानी के कारण क्षेत्र में मच्छरों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण थोड़ी सी बारिश भी बड़े संकट में बदल जाती है। उत्तम कुमार, अरुण कुमार, सुजीत कुमार और अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष सरवत जहां फातिमा ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सरवत जहां फातिमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी नाराजगी है कि अब तक जितने भी महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बनी है उन्हें चुनाव में टिकट दिया गया, मगर उन्हें टिकट नहीं मिला है। उन्होंने प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम पर तंज कसते हुए कहा कि भीड़ जुटाने के लिए महिलाएं चाहिए, मगर कुर्सी पर महिलाएं नहीं चाहिए। आज बिहार कांग्रेस विधान परिषद और विधानसभा में महिला विधायक हो गई है। 60 सीट में सिर्फ 5 महिलाओं को ही टिकट सरवत ने कहा कि चुनाव में महिलाओं को मात्र 8% प्रतिनिधित्व दिया गया। 60 सीट पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा, जिसमें सिर्फ 5 महिलाओं को ही टिकट दिया गया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते यह परिणाम मेरे लिए अत्यंत निराशाजनक रहा और मैं स्वयं को नैतिक रूप से उत्तरदायी मानती हूं। एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए मैं इस वास्तविकता को नजरअंदाज नहीं कर सकती। महिला नेतृत्व और उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का जो उद्देश्य हम सभी लेकर चले थे, वह इस बार पूरा नहीं हो सका। मेरे त्यागपत्र का यह मुख्य कारण है। वर्तमान महिला अध्यक्ष को नहीं मिला टिकट उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा नारी न्याय, आधी आबादी, पूरा हक और महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिलाने की बात बड़े दृढ़ता से उठाई है। परंपरागत रूप से, बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षों को विधानसभा टिकट दिया जाता रहा है। किन्तु इस बार वर्तमान महिला अध्यक्ष होने के बावजूद भी मुझे टिकट नहीं दिया गया। मैं अल्पसंख्यक समुदाय से हूं और इस बार मुझे टिकट न देकर इस परंपरा से अलग निर्णय लिया गया। भीड़ जुटाने के लिए महिलाएं चाहिए मगर कुर्सी पर महिलाएं नहीं चाहिए, सरवत जहां फातिमा ने कहा कि जब मैंने इस बारे में अपने प्रभारी से बातचीत की तो प्रभारी ने मुझे कहा कि जो महिलाएं जीतने वाली होंगी उन्हें टिकट मिलेगा। अब किन्हें वह जीतने लायक मानते हैं, यह तो वही जाने। मगर मैं इतना कहूंगी कि हमारे सभी महिला कार्यकर्ता जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। कहीं धरना प्रदर्शन हो रहा है तो वहां पर महिलाएं दिखनी चाहिए, किसी जनसभा में भी महिलाओं की मौजूदगी होनी चाहिए।

महिलाओं की आकांक्षाओं व कौशल के बीच बड़ी खाई

पटना। महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध-निदेशक वंदना प्रेयसी ने कहा कि महिलाओं को पारंपरिक और लैंगिक मानकों से तय भूमिकाओं जैसे सौंदर्य कर्मी या सिलाई से आगे बढ़कर आधुनिक रोजगारों, विशेषकर तकनीक आधारित क्षेत्रों में कदम बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जिन आकांक्षाओं के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करते हैं, उन्हें साकार करने में हम सफल नहीं हो पाए हैं। कौशल उपलब्ध कराने में बड़ी खाई के कारण महिलाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजित नहीं हो सके हैं। वे एक्शन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) द्वारा आयोजित हाशिये पर पड़े समूहों के लिए कौशल और आकांक्षा के अंतर को पाटना : विकास की राह विषय पर पैनल चर्चा को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम के आरम्भ में आद्री की सदस्य-सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने यूनाइटेड किंगडम की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग और आद्री द्वारा किए गए संयुक्त शोध अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत की। अध्ययन में बताया गया कि लोगों की आकांक्षाएं, जेंडर और जाति जैसे सामाजिक मापदंड यह निर्धारित करते हैं कि वे कौन-सा काम चुनते हैं।

मानदेय कटौती के विरोध में सफाई कर्मियों ने नप कार्यालय में जड़ा ताला

हिलसा। पीएफ एवं मानदेय में एजेंसी द्वारा मनमानी ढंग से कटौती किए जाने के विरोध में नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने गुरुवार से बेमियादी हड़ताल शुरू कर दिया है। आरोप है कि सफाई एजेंसी पिछले आठ महीनों से लेबर, ड्राइवर और सुपरवाइजरों के पीएफ की राशि काट रही है। इसी को लेकर नाराज कर्मियों ने नगर परिषद कार्यालय में ताला जड़ दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे रवि डोम, अशोक डोम, सुनील डोम, छोटू डोम, बबन डोम, सरोज देवी, गुड्डी देवी, गीता देवी, बसंती देवी, मनी कुमार, रवि रंजन कुमार, पंकज कुमार, टिंकू कुमार, राहुल कुमार, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार आदि ने बताया कि एजेंसी द्वारा लेबर, ड्राइवर और सुपरवाइजर के पीएफ तथा मानदेय भुगतान में भारी अनियमितता की जा रही है। किसी की 39, 38 और 35 दिन की ड्यूटी होने के बावजूद भुगतान केवल 26 दिन का ही किया जाता है। इससे नाराज होकर सभी सफाई कर्मी बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। गुरुवार को दिनभर एजेंसी और नगर परिषद के पदाधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण शाम में नगर परिषद कार्यालय में ताला जड़ दिया गया। हड़ताल पर गए कर्मियों ने कहा कि जब तक पीएफ और वेतन कटौती की समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

परिजन को मिला 2 लाख का चेक

हिलसा। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमित फुल कुमारी के निधन के बाद उनके परिजनों को बीमा क्लेम की राशि सौंपी गई। यह राशि बिहार ग्रामीण बैंक, हिलसा शाखा द्वारा जारी की गई है। जानकारी के अनुसार छोटी घोषी गांव निवासी फुल कुमारी ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति का बीमा लिया था।
जिसका वार्षिक प्रीमियम 436 था। उनका निधन 6 अगस्त 2025 को बीमारी के कारण हो गया था।

बॉलीवुड एक्टर नील नितिन मुकेश बोले-पटना वाले बहुत मिलनसार हैं

पटना। के होटल पनाश में बॉलीवुड एक्टर नील नितिन मुकेश और खान सर पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स का उद्घाटन किया।साथ ही ईस्ट इंडिया चैप्टर मैगजीन 2025 के तीसरे संस्करण का विमोचन भी हुआ। इस दौरान बॉलीवुड अभिनेता नील नितिन मुकेश ने कहा, 'पटना आकर मुझे बहुत अच्छा लगा, यहां के लोग मिलनसार हैं'। 'मैं सभी प्रतिभागियों को सम्मान अपने हाथों से देकर गर्व महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पटना की संस्कृति और इतिहास बहुत ही समृद्ध है, और यहां के लोगों का स्वागत करने का तरीका अद्वितीय है' खान सर बोले- पूर्वी भारत की प्रतिभा, प्रेरणा का नया मंच हैवहीं, खान सर ने कहा, 'स्टार्ज ऑफ इंडिया मैगजीन का विमोचन किया है, जिसके संपादक अमृता राय वर्मा और श्रीधर वर्मा हैं। मैं सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स पूर्वी भारत की प्रतिभा, प्रेरणा और गौरव का एक भव्य मंच बनकर उभर रहा है' खबरों, अमृता राय वर्मा ने कहा, 'यह आयोजन पूर्वी भारत की प्रतिभा को पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है'। अमृता राय ने खान सर और नील नितिन मुकेश का धन्यवाद भी किया।प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया, जिनमें पख अंजलि, RJ शशि, सैयद साहेब अली (मटरगश्ती), Wow Vidushi, JP यादव, आर्यन बाबू, संजय भूषण पटियाला, अंशुमन सिन्हा, शारदा सिन्हा सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल थे। मौके पर मौजूद बिहार के भोजपुरी गायक आर्यन बाबू ने कहा, 'यह आयोजन पटना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यहां के लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है, और हमें गर्व है कि हम इस आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं'। उपस्थित आयोजक श्रीधर वर्मा ने कहा, 'मैं इस आयोजन में भाग लेने आये सभी लोगों का स्वागत करता हूं। यहां के लोगों की ऊर्जा और उत्साह बहुत ही प्रेरणादायक है।द स्टार्ज ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स का आयोजन पूर्वी भारत की प्रतिभा को पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है'।

नालंदा में 29 नवंबर तक होगी लोन वसूली

नालंदा। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए चलाई जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत बढ़ते बकाये को देखते हुए बिहार सरकार ने सख्ती बरतने का फैसला किया है। नालंदा में 24 से 29 नवंबर तक एक विशेष ऋण वसूली शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें डिफाल्टरों से बकाया राशि वसूलने की कोशिश की जाएगी। बिहार स्टेट माइनॉरिटीज फाइनेंशियल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से जारी आंकड़े चौंकाने वाले हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2012-13 से लेकर 2022-23 तक नालंदा में कुल 327 लोगों को मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, शिक्षा ऋण और अन्य योजनाओं के तहत 5 करोड़ 27 लाख 45 हजार रुपए का ऋण वितरित किया गया था।वसूली की धीमी रफ्तार चिंता का विषय विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन ऋणों की वसूली की धीमी गति है। करीब एक दशक की अवधि में वितरित किए गए इतने बड़े ऋण में से अब तक केवल 68 लाख 26 हजार 556 रुपये की ही वसूली हो पाई है। यह कुल ऋण राशि का महज 13 प्रतिशत है, जो विभाग के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। करोड़ों रुपये अभी भी बकाया हैं, जिससे योजना की निरंतरता पर सवालिया निशान लग रहे हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी ने ऋणियों से अपील की है कि वे इस विशेष शिविर का लाभ उठाएं और अपनी बकाया राशि का भुगतान करें। उन्होंने कहा कि यह उनके हित में होगा कि वे कानूनी पचड़े में पड़ने से पहले ही अपने दायित्व का निर्वहन करें।डिफाल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी विभाग के प्रबंध निदेशक मुमताज आलम ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अब विभाग का रुख बेहद सख्त होगा। उन्होंने एक पत्र जारी कर निर्देश दिया है कि समय पर ऋण नहीं चुकाने वालों से बकाया राशि के साथ-साथ ब्याज और दंड ब्याज भी वसूला जाएगा।विभाग ने चेतावनी दी है कि इस विशेष वसूली शिविर में जो लोग अपने बकाया ऋण का भुगतान नहीं करेंगे, उनका कोई भी स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मौन उपवास के बाद फूटा पीके का गुस्सा, बोले- वोट खरीदे गए, वादे अधूरे रहे

बेतिया। के भितिहरवा गांधी आश्रम में एक दिवसीय मौन उपवास समाप्त करते ही प्रशांत किशोर (पीके) ने बिहार सरकार, नीतीश कैबिनेट और भाजपा पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि हालिया चुनाव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पैसे के दम पर प्रभावित किया गया और मतदाताओं तक को 10,000 रुपये तक देकर वोट खरीदे गए। पीके ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ कई प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहे। उनके अनुसार, यह चुनाव खरीद-फरोख्त का खेल साबित हुआ और परिणाम छद्मनैतिक जीत को श्रेणी में आते हैं।पीके ने दावा किया कि राज्य की जनता को समझना चाहिए कि उनका वोट खरीदा गया है और अब सरकार अपने मन मुताबिक फैसले लेगी, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार महिलाओं को 2-2 लाख रुपये देने के वादे को छह महीने में पूरा नहीं करती, तो वे संगठित हर मंत्री और अधिकारी का व्यक्तिगत स्तर पर घेराव करेंगे। जनसुराज अभियान के लिए जनता से आर्थिक सहयोग की अपील उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले तीन वर्षों में जनसुराज अभियान पर भारी खर्च हुआ है, जिससे उनकी व्यक्तिगत कमाई लगभग समाप्त हो चुकी है। पहली बार उन्होंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि वे बिहार के हर व्यक्ति से साल में 1,000 रुपये का सहयोग मांगेंगे। पीके ने कहा कि जो चाहे इससे अधिक राशि भी दे सकता है, क्योंकि बिहार का बदलाव जनता के हाथों में है। उन्होंने बताया कि आने वाले पांच वर्षों में वे अपनी कुल आय का 90% जनसुराज आंदोलन में लगाएंगे और लगभग अपनी पूरी संपत्ति इसी अभियान को समर्पित कर रहे हैं, दिल्ली स्थित एक फ्लैट को छोड़कर। नई कैबिनेट पर गंभीर आरोपनीतीश कुमार को नई कैबिनेट पर पीके ने आरोप लगाया कि इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और कुछ मंत्री अत्यंत कमजोर शैक्षणिक योग्यता के बावजूद वंशवाद के आधार पर पद पाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलकर यह संदेश दे दिया है कि हमने वोट खरीदे हैं, अब बिहार पर अपनी मर्जी चलाएंगे। पीके के अनुसार, यह बिहार के घाव पर नमक छिड़कने जैसा कदम है।
नए चरण का एलान- हर वार्ड में पहुंचेंगे पीकेअपने आंदोलन के अगले चरण की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि 15 जनवरी 2026 से वे बिहार के सभी 1,18,000 वार्डों में जाएंगे। यह कार्यक्रम बिहार नवनिर्माण संकल्प अभियान के नाम से चलेगा, जिसमें हर वार्ड में जन-संवाद, पंचायत रिपोर्ट, वादों की समीक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही पर बैठकों का आयोजन किया जाएगा। पीके ने कहा कि बिहार का नवनिर्माण गांवों से शुरू होगा और गांधी जी की प्रेरणा से यह संघर्ष फिर गति पकड़ रहा है। गांधी आश्रम का प्रतीकात्मक संदेश राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, भितिहरवा गांधी आश्रम का चयन प्रतीकात्मक था, जहां महात्मा गांधी ने बेतिया आंदोलन की नींव रखी थी। वह गांधीवादी संघर्ष की वैचारिक पुनर्स्थापना का संकेत देता है और दर्शाता है कि पीके अब इस आंदोलन को जनांदोलन के रूप में खड़ा करने की तैयारी में हैं। जानकारों का मानना है कि यह उपवास और प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रशांत किशोर के आंदोलन का एक तरह से री-लॉन्च है। जनता से आर्थिक सहयोग मांगना और अपनी संपत्ति आंदोलन के लिए दान करना राजनीतिक सक्रियता का नया मॉडल माना जा रहा है। आने वाले महीनों में गांव-गांव चलने वाले अभियान से यह तय होगा कि बिहार की राजनीति में पीके की वापसी कितनी प्रभावी होगी।

उन्नत विधि से करें पपीते की खेती

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड़ है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल है, बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थ्यवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई पाचक इन्जाइम भी पाये जाते है तथा इसके ताजे फलों को सेवन करने से लम्बी कब्जियत की बिमारी भी दूर की जा सकती है।

जलवायु: पपीते की अच्छी खेती गर्म नमी युक्त जलवायु में की जा सकती है। इसे अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान होने पर उगाया जा सकता है, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होना चाहिए लू तथा पाले से पपीते को बहुत नुकसान होता है। इनसे बचने के लिए खेत के उत्तरी पश्चिम में हवा रोधक वृक्ष लगाना चाहिए पाला पड़ने की आशंका हो तो खेत में रात्रि के अंतिम पहर में धुंआ करके एवं सिचाई भी करते रहना चाहिए।

भूमि: जमीन उपजाऊ हो तथा जिसमें जल निकास अच्छा हो तो पपीते की खेती उत्तम होती है, जिस खेत में पानी भरा हो उस खेत में पपीता कदापि नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि पानी भरे रहने से पौधे में कॉलर रॉट बिमारी लगने की सम्भावना रहती है, अधिक गहरी मिट्टी में भी पपीते की खेती नहीं करना चाहिए।

भूमि की तैयारी: खेत को अच्छी तरह जोत कर समतल बनाना चाहिए तथा भूमि का हल्का ढाल उत्तम है, 2 x 2 मीटर के अन्दर पर लम्बा, चौड़ा, गहरा गड्ढा बनाना चाहिए, इन गड्ढों में 20 किलो गोबर की खाद, 500 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 250 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश को मिट्टी में मिलाकर पौधा लगाने के कम से कम 10 दिन पूर्व भर देना चाहिए।

किस्म: पूसा मेजस्टी एवं पूसा जाइंट, वाशिंगटन, सोलो, कोयम्बटूर, हनीड्यू, कुर्गहनीड्यू, पूसा ड्वार्फ, पूसा डेलीसियस, सिलोन, पूसा नन्हा आदि प्रमुख किस्में है।

बीज: एक हेक्टेयर के लिए 500 ग्राम से एक किलो बीज की आवश्यकता होती है, पपीते के पौधे बीज द्वारा तैयार किये जाते है, एक हेक्टेयर खेती में प्रति गड्ढे 2 पौधे लगाने पर 5000 हजार पौध संख्या लगेगी।

लगाने का समय एवं तरीका: पपीते के पौधे पहले रोपणी में तैयार किये जाते है, पौधे पहले से तैयार किये गड्ढे में जून, जुलाई में लगाना चाहिए, जहां सिंचाई का समुचित प्रबंध हो वहां सितम्बर से अक्टूबर तथा फरवरी से मार्च तक पपीते के पौधे लगाये जा सकते है।

नर्सरी में रोपा तैयार करना: इस विधि द्वारा बीज पहले भूमि की सतह से 15 से 20 सेमी. ऊंची क्यारियों में कतार से कतार की दूरी 10 सेमी. तथा बीज की दूरी 3 से 4 सेमी. रखते हुए लगाते है, बीज को 1 से 3 सेमी. से अधिक गहराई पर नहीं बोना चाहिए, जब पौधे करीब 20 से 25 सेमी. ऊंचे हो जावें तब प्रति गड्ढा 2 पौधे लगाना चाहिए।

पौधे पालीथिन की थैली में तैयार करने की विधि

20 सेमी. चौड़े मुंह वाली, 25 सेमी. लम्बी तथा 150 सेमी. छेद वाले पालीथिन थैलियां लेवें इन थैलियों में गोबर की खाद, मिट्टी एवं रेत का समिश्रण करना चाहिए, थैली का उपरी 1 सेमी. भाग नहीं भरना चाहिए, प्रति थैली 2 से 3 बीज होना चाहिए, मिट्टी में हमेशा पर्याप्त नमी रखना चाहिए, जब पौधे 15 से 20 सेमी. ऊंचे हो जावें तब थैलियों के नीचे से धारदार ब्लेड द्वारा सावधानी पूर्वक काट कर पहले तैयार किये गये गड्ढों में लगाना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक: एक पौधे को वर्षभर में 250 ग्राम नत्रजन, 250 ग्राम स्फुर एवं 500 ग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है, इसे छः बराबर भाग में बांट कर प्रति 2 माह के अंतर से खाद तथा उर्वरक देना चाहिए खाद तथा उर्वरक को मिट्टी में मिलाकर थैली) में देकर सिंचाई करना चाहिए। इस मिश्रण को नर पौधों को और ऐसे पौधो को नहीं देना चाहिए, जिसे 4 से 6 माह बाद निकालकर फेंकना है।

नर पौधों को अलग करना: पपीते के पौधे 90 से 100 दिन के अन्दर फूलने लगते है तथा नर फूल छोटे-छोटे गुच्छों में लम्बे डंठल युक्त होते है। नर पौधों पर पुष्प 1 से 1.3 मी. के लम्बे तने पर झूलते हुए तथा छोटे होते है। प्रति 100 मादा पौधों के लिए 5 से 10 नर पौधे छोड़ कर शेष नर पौधों को उखाड़ देना चाहिए। मादा पुष्प पीले रंग के 2.5 से.मी. लम्बे तथा तने के नजदीक होते है।

निंदाई, गुडाई तथा सिंचाई : गर्मी में 4 से 7 दिन तथा ठण्ड में 10 से 15 दिन के अंतर पर सिंचाई करना चाहिए, पाले की चेतावनी पर तुरंत सिंचाई करें, तीसरी सिंचाई के बाद निंदाई गुडाई करें। जड़ों तथा तने को नुकसान न हो।

फलो को तोड़ना: पौधे लगाने के 9 से 10 माह बाद फल तोड़ने लायक हो जाते है। फलों का रंग गहरा हरे रंग से बदलकर हल्का पीला होने लगता है तथा फलों पर नाखून लगने से दूध की जगह पानी तथा तरल निकलता हो तो समझना चाहिए कि फल पक गया होगा। फलो को सावधानी से तोड़ना चाहिए। छोटी अवस्था में फलों की छटाई अवश्य करना चाहिए।

पौध संरक्षण:

माइट, एफीड्स तथा फल मक्खी जैसे कीटों का प्रकोप इन पर देखा गया है। इसके नियंत्रण को मेटासिस्टाक्स 1 लीटर दवा प्रति हैक्टर के दर से तथा दूसरा छिड़काव 15 दिन के अंतर से करना चाहिए। फुट एण्ड स्टेम रट बीमारी से पौधों को बचाने के लिए तने के पास पानी न जमने दें। जिस भाग में रोग लगा हो वहां चाकू से खुरच कर बोर्डो पेस्ट भर देना चाहिए। पपयाडी मिलड्यू के नियंत्रण के लिए सल्फर डस्ट 30 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी के हिसाब से 15 दिन के अंतराल में छिड़काव करें।

उपज तथा आर्थिक लाभ:

प्रति हेक्टर पपीते का उत्पादन 35-40 टन होता है। यदि 1500 रू./ टन भी कीमत आंकी जाने तो किसानों को प्रति हेक्टर 34000.00 रू. का शुद्ध लाभ प्राप्त होगा।

कृषि आधारित कुटीर उद्योग है रेशम उत्पादन

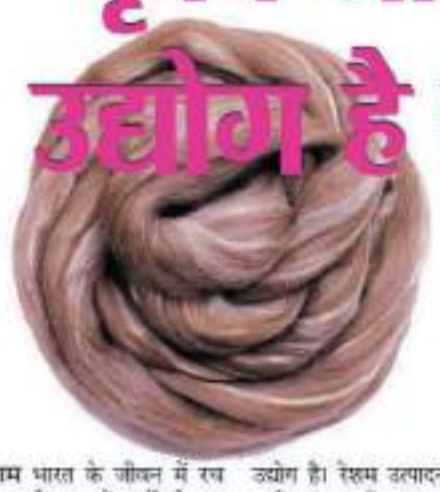

रेशम भारत के जीवन में रच बस गया है। हजारों वर्षों से यह भारतीय संस्कृति और परम्परा का अभिन्न अंग बन गया है। कोई भी अनुष्ठान किसी न किसी में रेशम के उपयोग के बिना पूरा नहीं होता है। रेशम उत्पादन और सिल्क रेशमी कपड़ा एक मुख्य उप क्षेत्र है जिसमें कपड़ा क्षेत्र आता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित कुटीर उद्योग है। रेशम उत्पादन का आशय बड़ी मात्रा में रेशम प्राप्त करने के लिए रेशम उत्पादक जीवों को पालन होता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित श्रम गहन उद्योग है। रेशम उत्पादन उद्योग में शामिल मुख्य क्रियाकलाप हैं -

रेशम कीट खाद्य पौधों की खेती करना, कच्चा रेशम के उत्पादन के लिए रेशम कीट पालना, रेशम फिलेमेंट निकालने के लिए कोकून का रीलिंग और अन्य कोकून पश्च प्रसंस्करण जैसे कि, मरोड़ना, डाइ करना, बुनना, प्रिंटिंग और तैयार करना रेशम उत्पादन एक अत्यन्त गहन श्रम क्षेत्र है, जिसमें कृषि (रेशम उत्पादन) और उद्योगों क्रियाकलाप शामिल होते हैं। भारत का रेशम कच्चा उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान है। इस स्थान के साथ-साथ इसकी अपार रोजगार क्षमता, जो रेशम पालन और सिल्क को भारतीय कपड़े के नक्शे में अपरिहार्य बनाता है।

रेशम का मूल्य बहुत अधिक है परन्तु इसकी उत्पादन की मात्रा कम है जो विश्व के कुल कपड़ा उत्पादन का केवल 0.2 प्रतिशत है। यह आर्थिक महत्व का मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदान करता है।

मूंगा रेशम के उत्पादन में भारत का एकाधिकार है। यह कृषि क्षेत्र में एकमात्र नकदी फसल है जो 30 दिनों के भीतर प्रतिफल प्रदान करता है। रेशम उत्पादन महत्वपूर्ण आर्थिक क्रियाकलाप के रूप में उभरा है यह देश के अनेकानेक भागों में लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसकी परिपक्वन अवधि छोटी होती है, संसाधनों का तुरंत पुनः चक्रन होता है। यह सभी प्रकार के किसानों के लिए उपयुक्त होता है विशेषतया सीमांत और छोटे जमीन धारकों के लिए चूंकि यह आप बढ़ने के लिए समृद्ध अवसर प्रदान करता है और साल भर के लिए स्वयं परिवार के लिए रोजगार का सृजन करता है।

भारत सरकार की देश में रेशम उद्योग के विकास के लिए समवर्ती जिम्मेदारी है। केन्द्रीय स्तर पर, कपड़ा मंत्रालय नोडल संगठन है

जिसमें रेशम उत्पादन और रेशमी कपड़ा उद्योग एक मुख्य कार्यात्मक क्षेत्र के रूप में है।

रेशम उत्पादन के संवर्धन और विकास के लिए अनेक केन्द्रीय रूप से प्रायोजित योजनाएं है, जिनके द्वारा भारत सरकार विभिन्न क्रियाकलाप कर रही है जैसे रेशम उत्पादन संबंधी मूल संरचना का सृजन नर्सरी और फार्मों का विकास, बागान क्षेत्र का विस्तार आदि।

किसानों के लिए फायदेमंद है आधुनिक कृषि यंत्र

जैसे-जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है वैसे वैसे हर क्षेत्र में तकनीक भी आगे बढ़ रही है। आज अगर देखा जाए तो हर क्षेत्र में रोज नई नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। फिर चाहे वो वस्त्र बनाने वाली कम्पनियां हों, मेटल, प्रिंटिंग, मसाले, बड़ी-बड़ी कारें एवं मोटरसाइकिल बनाने वाली कम्पनियां नई तकनीक का ही इस्तेमाल कर आगे बढ़ रही हैं। इस आपाधापी के युग में कृषि क्षेत्र कैसे पीछे रह सकता है। कृषि के क्षेत्र में तरह तरह के यंत्र आ रहे हैं जिनका उपयोग कर किसान अपना समय बचा सकते हैं और आर्थिक लाभ भी कर सकते हैं।

छोटा हार्वेस्टर

आजकल मजदूरों की कमी है,इसलिए फसलों की कटाई के लिए मशीन ईजाद की गई है, यह ऐसी मशीन है जिससे फसल कटाई, गहाई सब एक साथ जल्दी-जल्दी हो जाती है। और हमें घर में सीधा दाना मिलता है। लेकिन बड़े हार्वेस्टर 15 से 20 लाख रुपए के आते हैं एक माध्यमवर्गीय किसान के लिए उसे लेना संभव नहीं होता, इसलिए हमारे वैज्ञानिको ने छोटा हार्वेस्टर ईजाद कर दिया। इसे हर किसान खरीद सकता है। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक है। इसे रखने के लिए एक बाईक बराबर जगह की जरूरत होगी।

छोटा ट्रेक्टर- बड़े-बड़े ट्रेक्टर तो आपने बहुत देखे होंगे पर यह छोटा ट्रेक्टर मस्त चीज है। अपनी स्वयं की खेती करने के लिए यह अच्छा यंत्र है। आप इससे अपनी खेती आराम से कर सकते हैं। पर आप इसका व्यवसायिक उपयोग नहीं कर सकते। इसके टायर भी छोटे-छोटे है जो गीली मिट्टी में फस सकते है और ज्यादा लोड नहीं लेगा। टायर भी जल्द खराब हो सकते है।यह तो बागो व् सब्जियों के लिए बहुत लाभदायक है। हां लेकिन इतनी सस्ती कीमत में और कहां मिलेगा। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक बताई गई है।

रोटावेटर

इस यंत्र का काम है मिट्टी को पलटना यानी जब किसान हार्वेस्टर या मजदूरों द्वारा फसल को कटवाया जाता है तो नीचे की फसल का भाग बच जाता है, इसे साफ के लिए किसान खेतों में आग लगाता है जिसके कई नुकसान होते हैं जैसे- पर्यावरण प्रदूषण, दूसरे की फसलों में आग लग जाना, जंगलों में आग लगना, किसी का घर जल जाना, और सबसे बड़ी हानि स्वयं किसान को ही होती है। इससे मिट्टी का उपजाऊपन कम होता है। हां रोटीवेटर से यह सब नहीं होता इसे ट्रेक्टर में फंसाकर चलाने से खेत का कचरा मिट्टी के नीचे चला जाता है और एक साल बाद दबे-दबे खाद में बदल जाता है इससे खेत की उर्वरा क्षमता भी बढ़ती है।

टपक सिंचाई

वर्तमान समय में पानी का कम होना, जलस्तर गिरना बड़ी समस्याएं है। ऐसे में खेतों की सिंचाई करना एक बड़ी समस्या बनेगी इसलिए अभी सचेत होना जरूरी है। इस समस्या से बचाने के लिए हमारे वैज्ञानिकों ने तैयार किया 'टपक सिंचाई सिस्टम' इसके द्वारा पानी टपक-टपक के खेतों में गिरता है। खास बात यह है कि इससे पानी की बचत होती है और फसल की जड़ तक पानी जाता है। इस सिस्टम का उपयोग सब्जी, संतरे व अन्य फल वाले बड़े पेड़ों के लिए उपयुक्त होता है। गेहूं, सोयाबीन के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकता।

ईपीएफओ में बदलाव करेगी सरकार, एक करोड़ कर्मचारियों को होगा फायदा

वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 करने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अभी तक ईपीएफ और ईपीएस में अनिवार्य रूप से शामिल होने की वेतन सीमा 15,000 रुपए प्रतिमाह है। सरकार अब इसे बढ़ाकर 25,000 करने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है, तो देश के एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों को पेंशन और भविष्य निधि का लाभ मिल सकेगा। वेतन सीमा को आखिरी बार 2014 में 6,500 से बढ़ाकर 15000 किया गया था। मौजूदा नियमों के मुताबिक 15,000 तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारियों को ईपीएफ और ईपीएस में शामिल करना जरूरी है। इससे ज्यादा कमाने वाले चाहें तो बाहर रह सकते हैं और कंपनियों को भी उन्हें जोड़ने की बाध्यता नहीं। इस वजह से निजी क्षेत्र के बहुत से कर्मचारी रिटायरमेंट बचत से वंचित रह जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस सर्विस के सचिव एम नागराजू ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि 15,000 से थोड़ा ज्यादा कमाने वाले कर्मचारियों को पेंशन कवर नहीं मिलता और वे बुजुर्ग होने पर बच्चों पर निर्भर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने हो चुके नियमों को अब वर्तमान आय और खर्च के हिसाब से अपडेट करना अनिवार्य हो गया है। अगर ईपीएफओ वेतन सीमा बढ़ाकर 25,000 कर देता है, तो केंद्रीय न्यासी बोर्ड इस प्रस्ताव को अगले साल की शुरुआत में मंजूरी दे सकता है। श्रम मंत्रालय के एक आकलन के मुताबिक सीमा में 10,000 की बढ़ोतरी से एक करोड़ से ज्यादा नए कर्मचारियों को पेंशन और भविष्य निधि का लाभ मिलेगा। कर्मचारी संगठनों ने भी लंबे समय से इसकी मांग की है क्योंकि बढ़ती महंगाई में पुरानी सीमा अब अप्रासंगिक हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब भी ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षित रिटायरमेंट की कोई पक्की व्यवस्था नहीं है। ईपीएफ की सीमा बढ़ने से हजारों-लाखों कर्मचारी स्वतः सुरक्षित बचत योजनाओं से जुड़ जाएंगे। कर्मचारियों के लिए यह बदलाव फायदेमंद होगा क्योंकि इसका मतलब है ज्यादा मासिक योगदान, बड़ा ईपीएफ बैलेंस और भविष्य में उच्च पेंशन। इस समय कर्मचारी बेसिक सैलरी का 12 फीसदी ईपीएफ में जमा करते हैं और उतना ही योगदान नियोक्ता भी करते हैं। वेतन बढ़ने पर दोनों का योगदान बढ़ जाएगा।

टीसीएस डेटा सेंटर का कारोबार मजबूत, टीपीजी से जुटाए एक अरब डॉलर

टीसीएस और टीपीजी दोनों ने 18,000 करोड़ तक के निवेश का वादा किया

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने डेटा सेंटर कारोबार 'हाइपरस्कॉल्ट' को रफ्तार देने वैश्विक कैफ लिपक परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म टीपीजी से एक अरब डॉलर जुटाए हैं, जिससे सबसे बड़ी एआई-रेडी तकनीकी सेवा कंपनी बनने की उसकी आकांक्षा को मजबूती मिली है। टीसीएस और टीपीजी दोनों ने कुछ सालों में 18,000 करोड़ रुपए तक के निवेश का वादा किया है, जिनमें से टीपीजी 8,820 करोड़ निवेश करेगी और हाइपरस्कॉल्ट में उसकी हिस्सेदारी 27.5 से 49 फीसदी के बीच रह सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस ने बयान में कहा है कि टीपीजी को रणनीतिक निवेश साझेदार के तौर पर लाने से कंपनी को अपने शेयरधारकों को बेहतर रिटर्न दिलाने अपने पूंजीगत खर्च को कम करने और डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के लिए दीर्घावधि मूल्य सृजित करने में मदद मिलेगी। 30 सितंबर, 2025 तक टीसीएस के पास 1.06 लाख करोड़ रुपए की नकदी या समतुल्य राशि थी। कंपनी पर कुल कर्ज 10,932 करोड़ रुपए था। यह पहला मौका जब टीसीएस ने भारी पूंजीगत खर्च की जरूरत वाले उद्योग पर दांव लगाया है। इससे पहले कंपनी अधिग्रहण के बजाय अपने कारोबार को बढ़ाने को तवज्जो दे रही थी। टीसीएस ने आखिरी बड़ा अधिग्रहण साल 2008 में 51.2 करोड़ डॉलर में सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विसेज का किया था। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद कंपनी ने डेटा सेंटर सेगमेंट में आने का अपना इरादा बताया था। नतीजे जारी करते समय टीसीएस प्रबंधन ने कहा था कि कंपनी एक गीगावॉट क्षमता बनाना चाहती है जिसके लिए करीब 6.5 अरब से 7 अरब डॉलर निवेश की जरूरत पड़ेगी।

2031 तक भारत में एक अरब से ज्यादा 5 जी ग्राहक

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डेटा मार्केट्स

मुंबई

भारत 2031 तक एक अरब से ज्यादा 5जी सब्सक्रिप्शन पार कर लेगा, और देश में 5जी को पहुंच 79 प्रतिशत तक होगी। यह जानकारी कंपनी एरिक्सन की मोबिलिटी रिपोर्ट 2025 में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 के अंत तक भारत में 39.4 करोड़ 5जी सब्सक्रिप्शन दर्ज होने की उम्मीद है, जो देश में कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 32 प्रतिशत होगा। एरिक्सन ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डेटा मार्केट्स में से एक है। भारत में हर सक्रिय स्मार्टफोन पर मोबाइल डेटा उपयोग 36 जीबी प्रति माह है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह 2031 तक बढ़कर 65 जीबी प्रति माह होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि डेटा उपयोग में यह तेज बढ़ोतरी तेजी से 5जी नेटवर्क विस्तार, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के बढ़ते उपयोग और सस्ते 5जी डिवाइस उपलब्ध होने के कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में 5जी सब्सक्रिप्शन 2025 के अंत तक बढ़कर 2.9 अरब तक पहुंच जाएंगे। यह कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का करीब एक-तिहाई होगा। 2031 तक ग्लोबल 5जी सब्सक्रिप्शन बढ़कर 6.4 अरब होने का अनुमान है, जो कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का करीब दो-तिहाई होगा। इनमें से 4.1 अरब (65 प्रतिशत) सब्सक्रिप्शन 5जी स्टैंडअलोन (एसए) होने की उम्मीद है। सिर्फ इस साल ही दुनिया भर के ऑपरेटरों ने 60 करोड़ नए 5जी सब्सक्रिप्शन जोड़े हैं। इसके अलावा 40 करोड़ लोगों को पहली बार 5जी कवरेज भी मिला है। इस साल के अंत तक चीन के बाहर दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी 5जी नेटवर्क की पहुंच में होगी। 2031 तक यह कवरेज बढ़कर 85 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र वैश्विक राजनीति, सुरक्षा व आर्थिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनकर उभरा

नई दिल्ली इंडो-पैसिफिक क्षेत्र हाल के वर्षों में वैश्विक राजनीति, सुरक्षा और आर्थिक प्रतिस्पर्धा का सबसे अहम केंद्र बनकर उभरा है। इस पृष्ठभूमि में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की भारत यात्रा खास मायने रखती है। उन्होंने साफ कहा कि इंडो-पैसिफिक आज अनिश्चितता और उभरती चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में समान सोच वाले देशों के बीच रणनीतिक सहयोग पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। ऑस्ट्रेलिया इस क्षेत्र में भारत को एक भरोसेमंद और प्रमुख साझेदार के रूप में देखता है। दिलचस्प है कि तीन साल पहले 2022 में अमेरिका ने भी इंडो-पैसिफिक के लिए अपनी व्यापक रणनीति जारी की थी, जिसने इस भूभाग की वैश्विक अहमियत को और पुख्ता कर दिया। इंडो-पैसिफिक का दायरा पूर्वी अफ्रीका के तट से लेकर अमेरिकी पश्चिमी किनारों तक और आर्कटिक से अंटार्कटिका तक फैला है। यह सिर्फ समुद्री क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और आर्थिक संतुलन की धुरी है। दुनिया की करीब 65 फीसदी आबादी और 63 फीसदी वैश्विक जीडीपी इसी क्षेत्र में मौजूद है। चीन, अमेरिका, भारत और जापान जैसी शक्तियों की सक्रियता ने इसे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मुख्य केंद्र बना दिया है। समुद्री व्यापार मार्ग, ऊर्जा संसाधन, मत्स्य संपदा और रणनीतिक जलडमरूमध्य इस क्षेत्र को आर्थिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से अति संवेदनशील बनाते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 400 , निफ्टी 124 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में पे गिरावट एशियाई सहित अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। आज बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक नीचे आकर 85,231.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक गिरकर 26,068.15 पर बंद हुआ था। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 687.25 अंक नीचे आकर 60,276.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 219.75 अंक फिसलकर 17,847.50 पर था।

आज निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी एनर्जी के शेयर फिसले जबकि निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी कंजप्शन में ही तेजी रही।

सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी, एमएंडएम, आईटीसी, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचयूएल, भारती एयरटेल, टीसीएस, टाइटन, पावर ग्रिड और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई,एक्सिस बैंक, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा, एलएंडटी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे।

बाजार में अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने को माना जार हा है। इसके अलावा भारत में पीएमआई डेटा कमजोर रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह खीएसई सेंसेक्स टूटकर 85,347.40 अंक पर खुला। सुब्बह यह 77.03 अंक नीचे आकर 85,555.65 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी 100 से ज्यादा अंक फिसलकर 26,109 पर खुला।

वहीं दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुए। डॉव जोन्स 0.84 फीसदी गिरा, एसएंडपी में 1.56 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा नैस्डैक 2.16 फीसदी गिरा। दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से एक और ब्याज दर कटौती की संभावना को लेकर संशय बढ़ने से बाजार टूटा है।

अमेरिकी बाजारों का प्रभाव एशियाई बाजारों पर भी हुआ। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 1.16 फीसदी गिरा वहीं हांगकांग का हैंग सेंग 1.82 फीसदी गिरा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.12 फीसदी नीचे आया। जापान का निक्केई भी 1.7 फीसदी गिरा। कोर मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 3.1 फीसदी हो गई।

क्रिप्टो मार्केट में भारी उथल-पुथल, 24 घंटे में 17 लाख करोड़ का निवेश तबाह

नई दिल्ली क्रिप्टो मार्केट में भारी उथल-पुथल है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 6फीसदी से ज्यादा टूटकर 3 लाख करोड़ डॉलर के नीचे चला गया है। बिटकॉइन, इथेरियम समेत ज्यादातर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट ने माहौल को और नेगेटिव बना दिया है। कई दिनों से जारी कमजोरी के बीच यह 24 घंटे की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार सुबह 9:30 बजे तक कुल क्रिप्टो मार्केट कैप 3.14 लाख करोड़ डॉलर पर था, जो शुक्रवार सुबह 9:30 बजे 2.95 लाख करोड़ डॉलर तक गिर गया यानी 24 घंटे में 0.19 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 17 लाख करोड़ रुपए का निवेश तबाह हो गया। फियर एंड ग्रीड इंडेक्स भी 11 पर आ गया, जो बताता है कि मार्केट में भारी घबराहट है और निवेशक तेजी से क्रिप्टो बेच रहे हैं। बिटकॉइन पिछले 24 घंटे में 7फीसदी से ज्यादा गिरकर 90,000 डॉलर के स्तर से काफी नीचे आ गया। सुबह 9:30 बजे यह 85,750 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। पिछले एक हफ्ते में ही बिटकॉइन करीब 13फीसदी लुढ़क चुका है। इथेरियम, रिपल, सोलाना और कार्डानो भी 7फीसदी से ज्यादा टूट गए।

अमेरिकी बैन के चलते भारत में रूसी तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंचा

इंडियन ऑयल और निजी कंपनी रिलायंस बैन को मानने के लिए सहमत

नई दिल्ली

। भारत को दिए जाने वाले रूस के कच्चे तेल का लदान नवंबर में निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी प्रतिबंध के कारण भारतीय रिफाइनिंग कंपनियां सतर्कता बरत रही हैं। अमेरिका ने रूस के दो बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर बैन लगा दिया है। इन कंपनियों पर अमेरिकी बैन 21 नवंबर से प्रभावी होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में अब तक भारत के लिए रूसी तेल का लदान पिछले महीने के मुकाबले आधा रह गया है। 20 नवंबर तक भारत भेजे गए तेल की मात्रा 9.82 लाख बैरल प्रति दिन रही, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा 18.6 लाख बैरल प्रति दिन था।

भारतीय रिफाइनर अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन ऐसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) के प्रतिबंधों के मद्देनजर रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए सतर्क हो गए हैं। केप्लर के प्रमुख अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि इस गिरावट की मुख्य वजह भारतीय रिफाइनरों की रूसी आपूर्तिकर्ता रोसनेफ्ट और लुक ऑयल पर लगा अमेरिकी बैन है। हालांकि वॉल्यूम में अभी भी बदलाव हो सकता है क्योंकि रास्ते में मौजूद कुछ जहाज अपने आखिरी गंतव्य को बदल सकते हैं। मगर मौजूदा रुझान बिल्कुल साफ है कि भारत के लिए लदान में नरमी आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल और निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिकी बैन को मानने के लिए सहमत हैं, जबकि एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड ने रूस पर पश्चिमी देशों के बैन के बाद रूस से तेल खरीद को रोक दिया है। भारत को रूसी तेल की आपूर्ति में दोनों प्रतिबंधित रूसी कंपनियों का योगदान 60 से 70 फीसदी है। आरआईएल के पास रोसनेफ्ट से करीब 5 लाख बैरल प्रति दिन कच्चा तेल खरीदने का दीर्घावधि अनुबंध है, जबकि नायरा एनर्जी में 49 फीसदी हिस्सा रूस की सरकारी कंपनी का है।

एप्पल इंडिया ने 2024-25 में 9 अरब डॉलर की घरेलू बिक्री की

दुनिया भर में बने हर पांच में से एक आईफोन भारत में हुआ निर्मित

नई दिल्ली आईफोन बनाने वाली एप्पल इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 9 अरब डॉलर की घरेलू बिक्री का आंकड़ा छू लिया है। इससे कंपनी राजस्व के लिहाज से देश की शीर्ष 10 विनिर्माण बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शामिल हो गई। अमेरिका और भारत में कंपनी ने शेयर बाजार को बताया है कि इसके बावजूद यह ऐपल के वैश्विक राजस्व 416.1 अरब डॉलर में महज 2 फीसदी हिस्सेदारी है। आईफोन के उत्पादन में भारत की भूमिका की अलग कहानी है। वित्त वर्ष 2025 में दुनिया भर में बने हर पांच में से एक आईफोन भारत से गया था और देश ने एप्पल के वैश्विक उत्पादन मूल्य में 12 फीसदी योगदान दिया। एप्पल ने पहली बार भारत में प्रो और प्रो मैक्स जैसे आईफोन के सबसे महंगे मॉडल की असेंबलिंग भी शुरू की। वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका से करीब 178.4 अरब डॉलर की कमाई हुई, जो एप्पल के वैश्विक राजस्व की करीब 43 फीसदी है। इसके अलावा इन आईफोन का बड़ा हिस्सा भारत से भेजा गया।

मुकेश अंबानी की कंपनी ने रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल किया बंद

कंपनी ने यह कदम यूरोपीय संघ द्वारा लगाए प्रतिबंधों के चलते उठाया

नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने अपनी जामनगर स्थित केवल निर्यात वाली रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल बंद कर दिया है। कंपनी ने यह कदम यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को देखते हुए उठाया।रिलायंस भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार मानी जाती है। जामनगर का विशाल शोधन परिसर दो रिफाइनरियों में बंटा है एक सेज इकाई, जहां से ईंधन, अमेरिका और अन्य देशों को ईंधन निर्यात किया जाता है और दूसरी पुरानी इकाई, जो घरेलू बाजार को सप्लाई करती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन का बाजार रिलायंस के लिए बेहद अहम है।

चूंकि यूरोपीय संघ ने रूस की ऊर्जा आमदनी घटाने के लिए रूसी कच्चे तेल और उससे बने उत्पादों पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, इस वजह से कंपनी ने सेज यूनिट में रूसी तेल का इस्तेमाल रोकने का फैसला लिया। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक 20 नवंबर से सेज रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया है और 1 दिसंबर से निर्यात होने वाले सभी ईंधन गैर-रूसी तेल से तैयार किए जाएंगे।

यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस की यूक्रेन संबंधी कार्रवाई को लेकर नए प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों में रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर रोक शामिल है।

रिलायंस ने पहले रोसनेफ्ट के साथ करीब 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का दीर्घकालिक समझौता किया था लेकिन अमेरिका द्वारा लगाए नए प्रतिबंधों के बाद अक्टूबर में ही संकेत मिले थे कि आरआईएल इस दीर्घकालिक समझौते के तहत रूस से तेल लेना बंद कर सकती है।

सेबी ने कंसल्टिंग पेपर पर फीडबैक देने डेडलाइन एक सप्ताह के लिए बढ़ाई

म्युचुअल फंड के एक्सपेंस रेश्यो के नियमों में प्रस्तावित सुधारों पर सुझाव दे सकेंगे

नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्युचुअल फंड रेगुलेशन्स 1996 के रिव्यू के लिए जारी कंसल्टिंग पेपर पर फीडबैक देने की डेडलाइन एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी है। अब निवेशक फंड हाउस और अन्य हितधारक 24 नवंबर तक म्युचुअल फंड नियमों में प्रस्तावित सुधारों पर राय दे सकते हैं। पहले यह डेडलाइन 17 नवंबर थी।

बता दें सेबी ने 28 अक्टूबर को इस कंसल्टिंग पेपर को जारी किया था।

इसमें सेबी ने एग्जिट लोड में बदलाव, टोटल एक्सपेंस रेश्यो में सुधार, ब्रोकरेज चार्ज कम करने और निवेशकों के लिए पारदर्शिता बढ़ाने समेत कई अन्य बदलावों का प्रस्ताव रखा।

टोटल एक्सपेंस रेश्यो किसी म्युचुअल फंड स्कीम को चलाने की कुल लागत होती है, जिसमें मैनेजमेंट फीस, ऑपरेशन खर्च और कुछ सरकारी फीस शामिल होती है। यह सीधे निवेशकों के रिटर्न पर असर करती है, जितना ज्यादा टीईआर होगा, फंड के मुनाफे में कटौती भी उतनी ही ज्यादा होगी।

स्वस्तिका इनवेस्टमार्ट की हेड ऑफ वेल्थ ने कहा कि सेबी के कंसल्टेशन पेपर में टोटल एक्सपेंस रेशियो में कटौती का प्रस्ताव मुख्य रूप से म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए पॉजिटिव बदलाव लाएगा, क्योंकि इससे निवेश की लागत कम होगी और फीस स्ट्रक्चर में पारदर्शिता बढ़ेगी। प्रस्तावित नए फ्रेमवर्क के तहत, सेबी उन अतिरिक्त पांच बेसिस प्वाइंट फीस को खत्म करने की योजना बना रहा है, जिसे अब तक एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को सभी म्युचुअल फंड स्कीम्स पर लगाने की अनुमति थी। यह अतिरिक्त खर्च 2012 में इसलिए जोड़ा गया था ताकि एग्जिट लोड को वापस स्कीम्स में क्रेडिट करने के असर की भरपाई की जा सके। 2018 में इसे 20 बीपीएस से घटाकर 5 बीपीएस कर दिया था। अब सेबी इसे पूरी तरह हटाना चाहता है ताकि निवेशकों की लागत कम हो सके।

हुंडई ने प्रीमियम एसयूवी टक्सन का भारत में प्रोडक्शन किया बंद

सीमित ग्राहक और ऊंची कीमत से इसकी बिक्री नहीं बढ़ी

नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी प्रीमियम एसयूवी टक्सन का भारत में प्रोडक्शन बंद कर दिया है। लंबे समय से कंपनी की फ्लैगशिप आईसीई लाइनअप का हिस्सा रही यह 5-सीटर एसयूवी तकनीक, सुरक्षा और डिजाइन के मामले में बेहद उन्नत मानी जाती थी। 27.32 लाख से 33.64 लाख रुपए की एक्स-शोरूम कीमत के बावजूद यह अपने सेगमेंट में मजबूत पहचान बना चुकी थी, लेकिन सीमित ग्राहक वर्ग और ऊंची कीमत के चलते इसकी बिक्री नहीं बढ़ सकी। कंपनी ने पुष्टि की कि टक्सन अब भारतीय बाजार में उपलब्ध नहीं होगी, हालांकि मौजूदा ग्राहकों को सर्विस और आफ्टर-सेल्स सपोर्ट मिलता रहेगा। बता दें अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच सिर्फ 450 यूनिट्स की बिक्री ने यह साफ कर दिया कि 25 लाख रुपए से ऊपर की 5-सीटर एसयूवी की मांग बेहद कम है, जबकि इसी रेंज में 7-सीटर गाड़ियों की लोकप्रियता ज्यादा है।

पूरी तरह आयात होकर चेन्नई प्लांट में असेंबल किए जाने के कारण भी टक्सन की कीमत प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा रही। जीएसटी दरों में कटौती के बाद एसयूवी करीब 2.40 लाख रुपए तक सस्ती जरूर हुई, लेकिन इसका बिक्री पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। कंपनी की वर्तमान एसयूवी लाइनअप में एक्सटर, वेन्यू, क्रेटा और अल्कजार शामिल हैं, जिनमें वेन्यू और क्रेटा लगातार टॉप-सेलिंग मॉडल बने हुए हैं। टक्सन भारत एनसीएपी में 5-स्टार रेटिंग पाने वाली हुंडई की अकेली एसयूवी कार थी, फिर भी बाजार की मांग इसके पक्ष में नहीं रही। हुंडई ने कहा कि भारत उसके लिए बेहद अहम बाजार है और आने वाले सालों में वह 45,000 करोड़ रुपए निवेश कर 26 नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिनमें पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड, इलेक्ट्रिक और सीएनजी विकल्प शामिल होंगे।

50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के असर का आंकलन करने बीओटी की बैठक 25 को

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार नीति के शीर्ष सलाहकार निकाय व्यापार बोर्ड (बीओटी) की 25 नवंबर को बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकार निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के प्रतिकूल असर का आकलन करना चाहती है। व्यापार बोर्ड की बैठक एक साल में ज्यादा के अंतराल पर होगी। बैठक में निर्यात प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों जैसे लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, अनुपालन लागत में कमी, उभरते मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाना, बाजार विविधीकरण और 'निर्यात केंद्र के रूप में जिले को मजबूत' करने और आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने नाम छापने की शर्त पर बताया कि चर्चा में डिजिटल प्रणालियों के जरिए व्यापार सुगमता बढ़ाने, तेज मंजूरी और निर्यात प्रक्रियाओं में ज्यादा पारदर्शिता लाने पर भी चर्चा होगी।

बैठक में मिली जानकारी 2030 तक 2 लाख करोड़ डॉलर के वस्तु और सेवा निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के सरकार के व्यापक लक्ष्य में सहायक होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रहलाद सबनानी

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई।

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का 'बचत का बजट' - 'घाटे के बजट' में परिवर्तित हो गया था।

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा 29 अगस्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है?

इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रही हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं।

अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है।

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगाने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं।

संपादकीय

इस बार भी नीतीश सरकार

पटना (बिहार) का 'गांधी मैदान' एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा-एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल-यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद-यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम-राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा-एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियां की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा-एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति-प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा-एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा-एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियां असंख्य हैं। जिम्मेदारियां हिमालय-सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28, 000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरुआत की जा सके। 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में 'बड़ा शून्य' आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा-एनडीए ने 29, 000 करोड़ रुपए महिलाओं में बांटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा-एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40, 000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2-2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यक् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरु की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरु के पास जाकर बोला, गुरुदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चक्र-सा चलता है। गुरु ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा-भारतीय रुपये-को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है, क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैश्विक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूसझ्रयूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारतझ्ररूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतारझ्रचढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदानझ्रप्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं।

इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती है। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता-ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

नाकाम करना होगा आतंक का खतरनाक षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में दहशतगर्द लगातार पंख फैलाने की फिराक में है। दिल्ली का कार ब्लास्ट आतंकी हमला घोषित हो चुका है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता भी उजागर हो गई है। ऐसे में केंद्र सरकार के उस बयान की खूब चर्चा हो रही, जिसमें कहा गया था कि भारत के खिलाफ कोई भी आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा। भारत फिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लोगों में यह भी चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू करेगा तो पाकिस्तान के साथ कौन देश खड़े होंगे।

आपको पता रहे मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ चीन और तुर्की ने दिया था। चीन लंबे समय से भारत विरोधी हरकतें कर रहा। वहीं, भारत द्वारा हमेशा मदद किए जाने के बावजूद तुर्की विरोध में खड़ा हो रहा।करीब दो साल से लगातार अलग-अलग तरह के धमकी भरे हजार से अधिक ईमेल मिल चुके हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां हर बार तकनीकी जांच के बाद फर्जी घोषित कर देती हैं। स्कूल, कॉलेज, सचिवालय, अदालत ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी न मिली हो। अधिकांश मामलों में ये ईमेल वीपीएन व डार्क वेब के जरिए भेजे जाते हैं, जिससे लोकेशन विदेश की दिखती है, लेकिन वास्तविक स्रोत तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

आतंकी संगठनों की हरकतें बता रही हैं कि दिल्ली धमाका तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत के खिलाफ फिदायीन अटैक को लेकर ब्लू प्रिंट कर चुका है।

हर बार जांच में कुछ ठोस नहीं मिल पाता, लेकिन अब जब देशभर में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियां सामने आ रही हैं और कई हमलों की साजिशें उजागर हुई हैं, तो इन पुराने मामलों का संदर्भ बेहद अहम हो गया है। जिस तरह बार-बार ये धमकी ईमेल अलग-अलग स्थानों को टारगेट करते हुए भेजे जा रहे थे, यह संभव है कि ये सिर्फ फर्जी नहीं थे, बल्कि किसी बड़ी आतंकी साजिश का संकेत दे रहे थे।

आतंकी हमले के बाद अब मंगलवार सुबह चार प्रमुख जिला अदालतों साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के साथ-साथ दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। आनन-फानन में इमारतें खाली कराई गई और सूचना पर पहुंचा बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), स्निफर डॉग और फॉरेंसिक टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया।

काफी तलाश के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो इसे हक्स मेल करार दिया गया। वहीं पटियाला हाउस कोर्ट में धमकी भरा मेल ऐसे वक्त आया, जब थोड़ी देर बाद बम धमाके के आरोपित व साजिशकर्ता जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की पेशी होने वाली थी। एनआइए की टीम आरोपित को पेश करने जा रही थी, उससे पहले कोर्ट के बाहर आरएएफ तैनात कर दी गई थी।

लाल किला ब्लास्ट की जांच में एजेंसियों को पता चला है कि फिदायीन तनअटैक का ब्लू प्रिंट पाकिस्तान में इसी साल तैयार हुआ था। जैश की मंशा है कि बेशक यह पहला सुसाइड बॉम्बर है, लेकिन आखिरी नहीं। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो जैश ए मोहम्मद ने टेरर फंडिंग और जिहाद के लिए डिजिटल कोर्स लॉन्च किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत के खिलाफ फिदायीन दस्ता तैयार करने को जैश-ए-मोहम्मद बड़े पैमाने पर हवाला के जरिए फंड जुटा रहा है।

एजेंसियों को इस संबंध में बेहद चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। लाल किला ब्लास्ट से 15 दिन पहले अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने तुहफत उल मोमिनात नाम से एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया था। यह कोर्स खास तौर से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस ऑनलाइन कोर्स का मकसद मजहबी और जिहादी ट्रेनिंग देने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के लिए पैसे जुटाना है।

जैश ए मोहम्मद के टॉप कमांडरों की महिला रिश्तेदारों पर इस ऑनलाइन कोर्स का जिम्मा है। जिनमें मसूद अजहर की बहनें सादिया अजहर, समीरा अजहर और शिया अजहर है। इस कोर्स का प्रचार पहले से ही जैश के इंटरनल टेलीग्राम और वाट्सऐप ग्रुप के साथ-साथ दूसरे कट्टरपंथी प्लेटफॉर्म पर गुपचुप किया जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए महिलाओं से 700 पाकिस्तानी करेंसी ली जा रही है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तुहफत-उल-मोमिन वाट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मदरसों के रूप में काम कर रहे हैं।लाल किला के पास हुए फिदायीन हमले की जांच में एजेंसियों ने मंगलवार को एक संदिग्ध बांग्लादेशी एबीटी सदस्य इख्तियार को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि जांच का फोकस भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद पर है। जिसके बारे में इनपुट मिला था कि लश्कर ए तैयबा के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुछ कट्टरपंथी ग्रुप संपर्क में हैं। पकड़े गए कथित बांग्लादेशी एबीटी मेंबर से पूछताछ चल रही है। जांच ऐजेंसी लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश कनेक्शन की पुष्टि करने में जुटी है।पकड़े गए संदिग्ध का प्रतिबंधित संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े होने का शक है। जांच ऐजेंसी से जुड़े सूत्र का कहना है कि संदिग्ध इख्तियार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जिसने विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की है। एजेंसियों का मानना है कि इस संदिग्ध का साजिश में बॉर्डर पार से लिंक है। पांच दिन पहले जांच एजेंसियों को पता चला था कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों और लश्कर ए तैयबा के बीच ऑनलाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग हुई थी। इसमें एलईटी का टॉप कमांडर सैफुल्लाह सैफ और बांग्लादेशी सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

आपको बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था।जाहिर है भारत को मजहब के आधार पर मिल रही विदेशी साजिश को भी नेस्तनाबूद करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रैंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिंग रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लड़की लड़का की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल ब्रह्म रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने आरएक्स 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रैंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है। द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किले सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भयनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थी। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड है लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो दी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुई। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सपेक्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और वरू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?

जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?

यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?

मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?

मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?

मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?

मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?

क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी। स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

एशेज में पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा, कुल 19 विकेट गिरे

-इंग्लैंड पहली पारी 172, ऑस्ट्रेलिया 123/9

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज क्रिकेट सीरीज के का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा और एक ही दिन में कुल 19 विकेट गिरे। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाज से ऑस्ट्रेलिया ने यहां शुक्रवार से शुरु हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को पहली पारी में 172 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टार्क ने 7 विकेट लेकर इंग्लैंड टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 123 रन बनाए हैं। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय नाथन लियोन 3 और ब्रैंडन डॉगेट 0 पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

दूसरा विकेट मार्नस लाबुशेन (9) का गिरा। आर्चर ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ भी 17 रन बनाकर आउट हो गये। ब्रायडन कार्स ने उन्हें हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 2 रन पर पेवेलियन लौटे।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। इंग्लैंड की टीम ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली का विकेट खो दिया। उस समय तक इंग्लैंड का एक भी रन नहीं था। इसके बाद ओली पोप ने बेन डकेट के साथ मिलकर 34 गेंदों में 33 रन बनाये पर डकेट 20 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद स्टार बल्लेबाज जो रूट भी खाता खोले बिना ही स्टार्क का शिकार बने।

टीम ने 39 रनों पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे ये सभी विकेट स्टार्क ने अपने नाम किए थे। इसके बाद ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की साझेदारी की। ओली पोप 58 गेंदों में 4 चौकों के साथ 46 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड की टीम ने लंच तक 105 रनों पर ही चार विकेट खो दिये।

इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने हैरी ब्रूक के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन बनाये, वहीं स्टोक्स के आउट होने के बाद जैमी स्मिथ ने ब्रूक के साथ मिलकर 30 गेंदों में 45 रन बनाये। ब्रूक ने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 33 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट लिए। स्टार्क की गेंदबाजी के साथ अंग्रेज बल्लेबाज बेबस दिखे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि स्टार्क के चार ओवरों में एक भी रन नहीं बना। जबकि अपना पहला ही मैच खेल रहे ब्रेंडन डोगेट ने दो विकेट लिए। वहीं एक विकेट इस मैच से वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को मिला।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंचे, हमवतन आयुष शेट्टी को हराया

सिडनी (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को यहां हमवतन भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने 53 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-11 से जीत हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त है। विश्व में नौवें स्थान पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चोउ ने एक घंटे 23 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया। अल्वी ने पिछले दौर में भारत के एचएस प्रणय को हराया था।

सेन ने इस वर्ष के शुरू में हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी 20 वर्षीय शेट्टी को हराया था। अल्मोड़ा का रहने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाया है। सेन को शुरुआती गेम में शेट्टी को हराने में कठिनाई हुई। वह एक समय 6-9 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने 9-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीते और 13-10 से बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन शेट्टी ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में कई बार बढ़त हासिल की, लेकिन आखिर में सेन ने 21-21 से बराबरी कर ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरा गेम एकतरफा रहा, जिसमें सेन ने शुरुआत में 6-1 की बढ़त बना ली, जो कुछ ही देर में 15-7 हो गई और शेट्टी की चुनौती कमजोर पड़ गई। प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत के शुरुआती दौर में बाहर हो जाने के बाद सेन पुरुष एकल में अब एकमात्र भारतीय बचे हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी।

स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बांए हाथ के पहले गेंदबाज बने

-रूट को आउट करने के साथ ही हासिल की अहम उपलब्धि

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हुई एशेज टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में सात विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के पहले गेंदबाज बन गये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती स्पेल में ही स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए जैक क्रॉली, बेन डकेट और जो रूट को पेवेलियन भेज दिया। स्टाक ने क्रॉली को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डकेट का भी विकेट लिया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज रूट भी उनसे बच नहीं पाये और अपना खाता भी नहीं खोल सके। रूट स्टार्क की गेंद पर मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच हुए। इसी के साथ ही स्टार्क ने एशेज में अपना 100वां विकेट लिया। वह ऐसा करने वाले 21वें गेंदबाज रहे हैं।

पहले सत्र में ही स्टार्क ने 8 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट ले लिए। उनका 45.03 का स्ट्राइक रेट उन्हें सबसे बेहतर गेंदबाज बनाता है। साल 2013 में एशेज में डेब्यू के बाद से ही स्टार्क ने 23 टेस्ट में 26.77 के औसत से विकेट लिए हैं। एशेज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पहले नंबर पर हैं। वॉर्न के नाम 195 विकेट हैं। वहीं ग्लेन मैक्ग्रा के 157 वह स्टुअर्ट ब्रॉड के 153 विकेट हैं। एशेज में 100 विकेट लेने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने हैं।

पैट कमिंस और चोटिल जोश हेजलवुड के बाहर होने से गेंदबाजी की कमान संभाल रहे स्टार्क ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क के पास इस मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। अकरम ने, अब तक सबसे ज्यादा 414 टेस्ट विकेट लिए हैं।

ऋषभ की कप्तानी में दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय टीम शनिवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इसमें 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम अगर ये मैच भी हारती है तो दो मैचों की ये सीरीज उसके हाथों से निकल जाएगी। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न होने से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। ऋषभ के कप्तानी कौशल की इस मैच में परीक्षा होगी। शुभमन के बार होने से इस मैच में उनकी जगह साई सुदर्शन को शामिल किया जा सकता है। वहीं अक्षर पटेल की जगह पर नीतिश रेड्डी को अवसर मिल सकता है। पहले मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी ये मैच अहम होगा क्योंकि उनके कोच बनने के बाद से ही भारतीय टीम अपनी धरती पर अधिकतर टेस्ट हारी है। इससे पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अपराजेय रहने की छवि को धक्का लगा है। पिछले साल भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं इस बार दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर उनके लिए पहेली बने हुए हैं। भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों से निपटने की तकनीक कमजोर नजर आ रही है। इससे भी बल्लेबाजों का मनोबल गिरा है और वे बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं।

इन कठिन हालातों में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने जा रहे ऋषभ की राह आसान नहीं है। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी और टीम की बल्लेबाजी ही इसको परिणाम तय करेगी।

शुभमन की जगह के लिए सुदर्शन सबसे प्रबल दावेदार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। लाल गेंद की क्रिकेट में कप्तानी में अनुभव की बात करें तो ऋषभ ने साल 2017 में दिल्ली की टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था पर कोलकाता में शुभमन के मैदान के बाहर जाने के बाद जिस प्रकार से उन्होंने फैसले लिए थे। उनको लेकर कई सवाल भी उठे हैं।

कोलकाता में तीसरे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को उन्होंने गेंदबाजी नहीं दी थी जिससे भी भारत को नुकसान हुआ था। भारतीय टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर उन्हें शिकार बना सकते हैं। ये तभी हो सकता है जब बीसीसीआई के क्यूरेटर तापोश चटर्जी और आशीष भौमिक गुवाहाटी की ट्रैक पर नजर आ रही घास को हटा दें। वहीं भारतीय टीम प्रबंधन पिच को लेकर पहले टेस्ट वाली गलती नहीं दोहराना चाहेगा।

अक्षर या कुलदीप यादव की जगह पर इस मैच में नीतिश रेड्डी को जगह मिल सकती है। ऐसे में तीसरा तेज गेंदबाज होने से भारतीय टीम को नमी का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है। अगर उनकी गेंदबाजी की जरूरत न हो तब भी दाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण वह विकेट पर उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इस मैच में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाना चाहेगी। बावुमा अच्छी फार्म में हैं। इसके अलावा टीम के पास एडेन मार्करम, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को जानसन और केशव महाराज जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को इस मैच में शामिल किया जा सकता है।

टी20 ट्राई सीरीज : जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 67 रनों से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लाहौर। पाकिस्तान में जारी टी20 ट्राई सीरीज में जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 67 रन से हरा दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाइ टीम टिक नहीं पायी और 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 95 रनों पर ही आउट हो गयी। इस बड़ी जीत से जिम्बाब्वे का नेट रनरेट अब मेजबान पाकिस्तान टीम से भी अधिक हो गया है। इस जीत से जिम्बाब्वे तीन टीमों की ट्राई सीरीज की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। जिम्बाब्वे और पाकिस्तान दोनों के ही दो-दो अंक हैं पर नेट रनरेट अधिक होने के कारण जिम्बाब्वे पहले नंबर पर है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय समय तक 20 ओवर में 8 विकेट पर 162 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बैनेट ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाये। वहीं कप्तान सिकंदर रजा 47 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि एहसान मलिंगा को दो विकेट मिले। जिम्बाब्वे ने इस प्रकार श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया। श्रीलंका के केवल दो बल्लेबाज ही इस मैच में दो अंकों तक पहुंच पाये। कप्तान दासुन शनाका ने 34 जबकि भानुका राजपक्षे ने 11 रन बनाये। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि रिचर्ड नागरवा ने 2 विकेट लिए।

शुभमन अचानक ही मुम्बई पहुंचे, विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे

गुवाहटी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले अचानक ही मुम्बई पहुंच गये। यहां वह प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। पारदीवाला खेल के दौरान लगी चोटों की सर्जरी में विशेषज्ञ है। शुभमन मुम्बई रवाना होने के साथ ही दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं। शुभमन को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में जकड़न आ गयी थी। इसी कारण उन्हें अस्पताल में भी भर्ती किया गया था। माना जा रहा है कि वह भी इस चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह कोलकाता में दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने कहा था कि शुभमन टीम के साथ गुवाहटी जाएंगे पर उनके खेलने पर फैसला उनकी चोट को देखते हुए ही होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को गुवाहाटी टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है और वह इसी के बाद ही मुंबई के लिए रवाना हो गये। इस कारण वह गुरुवार को अभ्यास के लिए भी नहीं पहुंचे थे। ये भी कहा गया है कि वह अगले दो-तीन दिन मुंबई में आराम करेंगे और फिर विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। अभी तक, उन्हें बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजे जाने की कोई योजना नहीं है। शुभमन के बाहर होने से ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी सम्भालेंगे। पहले टेस्ट मैच में भी शुभमन के चोटिल होने के बाद उन्होंने कप्तानी की थी पर वह टीम को हार से नहीं बचा पाये थे।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप: खिताब का सपना टूटा, रोमांचक सेमीफाइनल में बांग्लादेश से हारा भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ए का राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में खिताब का सपना उस समय टूट गया जब टीम बांग्लादेश ए के खिलाफ रोमांचक सेमीफाइनल में सुपर ओवर में हार के बाद बाहर हो गई। भारत ए ने बांग्लादेश ए से मिले 194 रन के जवाब में इतने ही रन बनाए और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में दो विकेट गंवाते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। बांग्लादेश को सुपर ओवर में जीत के लिए मात्र एक रन की जरूरत थी और स्पिनर सुयश शर्मा ने पहली गेंद पर विकेट झटकने के बाद दूसरी गेंद वाइड फेंक दी।

इससे पहले पहले बैटिंग करते हुए हबीबुर रहमान सोहान 46 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। जीशान आलम ने 14 गेंदों पर तेजी से 26 रन बनाए, जबकि एसएम मेहरब ने 18 गेंदों पर छह छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 48 रन बनाकर बांग्लादेश ए को 190 के पार पहुंचाया। यासिर अली ने 9 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाए। इनिंग में आखिरी समय में धमाकेदार बल्लेबाजी देखने को मिली, जिसमें मेहरब और यासिर अली ने आखिरी दो ओवरों में 50 रन बनाए।

मेहरब की पावर-हिटिंग में नमन धीर और विजयकुमार व्यशाक पर कई छक्के शामिल थे, जिसमें एक शानदार रिवर्स-स्वीप और लॉन्ग-ऑन पर फ्लैट पुल शामिल थे, जबकि यासिर अली ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाकर मोमेंटम बनाए रखा। बांग्लादेश ए ने बीच के ओवरों में रेगुलर विकेट गंवाए। गुरजपनीत सिंह ने जिशान और मोहन को आउट किया, जबकि नमन धीर ने महिदुल इस्लाम अंकोन (1) को आउट किया।

अन्य विकेटों में अकबर अली को हर्ष दुबे ने कैच एंड बोल्ड किया, और अबू हैदर को सुयश शर्मा ने आउट किया। इंडिया ए के गुरजपनीत सिंह ने 4 ओवर में 39 रन देकर 2 विकेट लिए। हर्ष दुबे, सुयश शर्मा, रमनदीप सिंह और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया। विजयकुमार व्यशक ने अपने 4 ओवर में 51 रन दिए, जो डेथ ओवरों में महंगे साबित हुए।

बिग बैश लीग में ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग खेल रही दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर लिजेल ली ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई है। विकेटकीपिंग में हुई गलती के बाद लिजेल ली पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की गयी। होबार्ट हरिकेंस और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में मुकाबले के दौरान उनपर मोटापे के लिए तंज कसे गये और उनका मजाक उड़ाया गया। यह विवाद हरिकेंस की पारी के 8.3वें ओवर में एक रन- आउट से बढ़ा। स्ट्राइकर्स की बल्लेबाज ब्रिजेट पैटरसन ने लॉरेन स्मिथ की एक गेंद को कवर की ओर खेला और एक रन लेने दौड़ गयी। वहीं स्टंप के पीछे तैनात लिजेल ली लड़खड़ा गई और रन आउट नहीं कर पायी। विकेटकीपिंग में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लिजेल ली बल्ले से भी विफल रही। हालांकि उनकी टीम हरिकेंस 135 रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रही। ली ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया और 100 एकदिवसियस, 82 टी-20 और दो टेस्ट मैच खेले, उन्होंने 36.42 की औसत से 3,315 वनडे रन और टी-20 में 1,896 रन बनाए. ली ने 8 जुलाई 2022 को सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास ले लिया था।

स्मृति मंधाना को सिंगर पलाश ने किया प्रपोज, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी

नवी मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इसी माह 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। इससे पहले मंधाना को उनके मंगेतर व सिंगर पलाश मुच्छल ने डी वाय पाटिल स्टेडियम में प्रपोज किया। यह वही स्टेडियम है जिसमें भारतीय महिला टीम ने विश्वकप खिताब जीता था। पलाश द्वारा साझा किये वीडियो में वह स्मृति को पिच के बीच में ले जाते हुए और उन्हें अंगूठी पहनाते दिख रहे हैं। पलाश ने ये वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'उसने हां कह दिया।' इस वीडियो की शुरुआत में पलाश, स्मृति को स्टेडियम के बीच में ले जाते हैं। इस दौरान स्मृति की आंखों में पट्टी बंधी थी। वहीं जब वह आखिरकार आंखों से पट्टी हटाती है तो वह देखती है कि पलाश घुटनों पर बैठकर उसे प्रपोज कर रहा है। खुश और भावुक होकर स्मृति इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है। इसके कुछ ही देर बाद स्मृति और पलाश दोनों के दोस्त इस खास अवसर पर जश्न मनाने के लिए पिच के बीच में दौड़ते हैं। इस दौरान पलाश की बहन और सिंगर पलक मुच्छल भी उपस्थित थी। स्मृति और पलाश रविवार, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इस जोड़े को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक बधाई पत्र भेजकर शुभकामनाएं दी है। वहीं स्मृति ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को एक मजेदार रील के जरिए यह खबर दी, जिसमें उनकी विश्व कप जीतने वाली टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव सहित कई अन्य लोग भी थे। स्मृति साझा किए गए वीडियो में अपनी सगाई की अंगूठी दिखाती दिखीं। गौरतलब है कि स्मृति और पलाश का रिश्ता काफी लंबा और मजबूत रहा है, उन्होंने अपने रिश्ते को ज्यादातर निजी रखा है और अपने-अपने करियर में एक-दूसरे का समर्थन किया है। पलाश को इस महीने की शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल के दौरान स्मृति और भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया था। स्मृति ने भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

नकवी की आलोचान से कानूनी शिकंजे में फंसे राशिद लतीफ

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट में हमेशा विवाद छाये रहते हैं। इसी कड़ी में अब - पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ को पाक बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की नाराजगी भरी पड़ती जा रही है। लतीफ ने बार-बार टीमों के कप्तान बदले जाने पर नकवी की आलोचना की थी। जिसके बाद से ही वह कानूनी शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने भी मामला दर्ज किया है। लतीफ से इस्लामाबाद और लाहौर में दो मामलों को लेकर पूछताछ भी हुई है। पीसीबी के वरिष्ठ कानूनी प्रबंधक सैयद अली नकवी की शिकायत पर लतीफ के खिलाफ ये जांच शुरू की गई है। लतीफ ने सोशल मीडिया में लिखा था, 'शाहीन शाह अफरीदी को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है। फूट डालो और राज करो की नीति, धार्मिक, जातीय, क्रिकेट टीमों या वर्ग भेद जैसे भेदभाव पैदा करके और उनका फायदा उठाकर सत्ता हासिल करने और बनाए रखने की एक राजनीतिक रणनीति है। लतीफ ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जो एक अच्छा कप्तान भी नहीं बना सकता। लतीफ ने पाक की ओर से 37 टेस्ट और 166 एकदिवसीय में क्रमशः 1381 और 1709 रन बनाए हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम पर एक सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में एनसीसीआईए ने मामला दर्ज किया है।

दूसरे टेस्ट से पहले ऋषभ पंत का बड़ा बयान, एक मैच की कप्तानी आदर्श नहीं

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में शनिवार से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण बाहर हो गए, और उनकी जगह टीम की कमान ऋषभ पंत को सौंपी गई है। शानदार फॉर्म में चल रहे पंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में माना कि 'एक मैच की कप्तानी आदर्श स्थिति नहीं है', लेकिन उन्होंने इसे सम्मान बताया और कहा कि वह दबाव में आए बिना टीम को जीत दिलाने पर फोकस करेंगे। पहला टेस्ट हार चुकी भारतीय टीम इस मुकाबले में सीरीज बराबर करने के इरादे से उतरेगी।

कप्तानी को लेकर पंत का साफ बयान: 'ज्यादा नहीं सोचना चाहता'

दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से बात करते हुए ऋषभ पंत ने कहा कि वह इस मौके को बेहद खास मानते हैं, लेकिन कप्तान के रूप में अधिक सोचना टीम के लिए सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'एक मैच की कप्तानी सबसे आदर्श नहीं होती, लेकिन मैं बीसीसीआई का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी। कई बार बड़े मौकों के बारे में ज्यादा सोचने से फायदा नहीं होता, इसलिए मैं चीजों को सिंपल ही रखना चाहता हूं।' पंत ने स्वीकार किया कि पहला टेस्ट बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब उनका पूरा ध्यान सीरीज को बचाने के लिए टीम की वापसी पर है।

भारत 1-0 से पीछे, गिल की अनुपस्थिति बड़ी चुनौती

कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन के कारण शुभमन गिल मैदान से बाहर हो गए थे और बाद में वे अस्पताल में भर्ती भी हुए। इस वजह से न केवल भारत को टॉप-ऑर्डर में झटका लगा, बल्कि कप्तानी भी अचानक बदलनी पड़ी। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट जीतकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पंत ने गिल के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, 'शुभमन मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित था। उसने चोट के बावजूद हिम्मत दिखाई, और टीम यही एटीट्यूड देखना चाहती है।'

गिल के रिप्लेसमेंट पर फैसला हो चुका: पंत ने दिए संकेत

टीम इंडिया गिल के विकल्प को लेकर सोच-विचार में थी, क्योंकि बाएं हाथ के बल्लेबाज पहले से ही लाइनअप में अधिक हैं। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत ने साफ कहा कि रिप्लेसमेंट तय हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हमने यह फैसला कर लिया है कि शुभमन की जगह कौन खेलेगा। संबंधित खिलाड़ी को बता दिया गया है। अब टीम उसी के अनुसार तैयारी कर रही है।' हालांकि उन्होंने नाम उजागर नहीं किया, लेकिन संकेत साफ था कि चयन टीम के संतुलन को ध्यान में रखकर किया गया है।

रणनीति: पंत चाहते हैं 'कन्वेंशनल + आउट-ऑफ-बॉक्स' का परफेक्ट मिश्रण

पंत ने बताया कि उनकी कप्तानी शैली में दोनों तरह की सोच शामिल होगी—पारंपरिक रणनीति और आधुनिक, आक्रामक सोच। उन्होंने कहा, 'मैं कन्वेंशनल रहूंगा, लेकिन साथ ही आउट-ऑफ-बॉक्स सोच को भी अपनाना चाहता हूं। बैलेंस जरूरी है। हमें चीजों को जटिल नहीं बनाना, जो टीम बेहतर क्रिकेट खेलेगी वही जीतेगी।' उनका यह बयान साफ दर्शाता है कि टीम इंडिया की योजना जोखिम लेने से पीछे नहीं हटने वाली।

गुवाहाटी टेस्ट : पंत का नेतृत्व और भारत की जीत की उम्मीदें

पंत ने कहा कि उन्हें गुरुवार शाम को कप्तानी की जानकारी दी गई, और तब से वह पूरी तरह इसी चुनौती पर केंद्रित हैं। भारतीय टीम अब सीरीज में पीछे होने की स्थिति से उबरने के लिए नए कप्तान की रणनीति और ऊर्जा पर निर्भर होगी। भारत की नजर अब गुवाहाटी में मजबूत वापसी और सीरीज बराबर करने पर है जहां पंत का नेतृत्व निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएचओ में होगी 2 हजार कर्मियों की छंटनी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पुष्टि की है कि उसके वैश्विक कार्यबल में अगले साल मध्य तक करीब 22 प्रतिशत की कमी आ जाएगी। यह कटौती 2,371 पदों की होगी, जिससे 2025 की शुरुआत में मौजूद 9,401 पदों की संख्या घटकर करीब 7,000 रह जाएगी। यह कदम उस समय उठाया जा रहा है, जब उसके सबसे बड़े दाता अमेरिका ने संगठन से बाहर होने का निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जनवरी 2025 में पद संभालते ही डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा कर दी थी।

पड़ोसी सूडान में ड्रोन हमले के बाद दक्षिण सूडान ने तेल निर्यात फिर से शुरू किया

खार्तूम, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पड़ोसी सूडान में दो प्रमुख तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार परिचालन को आपातकालीन रूप से बंद करने के बाद दक्षिण सूडान ने कच्चे तेल का परिवहन और निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अवर सचिव देंग लुआल वोल ने जुबा में संवाददाताओं को बताया कि 'दक्षिण सूडान के सभी तेल क्षेत्रों में परिचालन सामान्य हो गया है' और कच्चा तेल फिर से पाइपलाइनों के माध्यम से लाल सागर स्थित पोर्ट सूडान के निर्यात टर्मिनलों तक पहुंच रहा है।

कोसोवो में सांसदों द्वारा सरकार चुनने में नाकामी के बाद जल्द चुनाव

प्रिस्टीना, एजेंसी। कोसोवो के सांसद बुधवार को नई सरकार चुनने में नाकाम रहे, जिससे इस छोटे से बाल्कन राष्ट्र में महीनों से चल रहे राजनीतिक संकट के बाद जल्द चुनाव का रास्ता साफ हो गया। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत ग्लौक कोनजुफ्का, सत्तारूढ़ सेल्फ-डिटरमिनेशन मूवमेंट पार्टी के, 120 सदस्यीय विधानसभा में 56 वोट हासिल कर पाए, जो चुनाव के लिए आवश्यक बहुमत से बस थोड़ा कम है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मतदान एक बड़ा झटका है। पार्टी ने फरवरी में हुए चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल किए थे, लेकिन अकेले शासन करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। तब से यह संसदीय बहुमत हासिल करने वाला कोई राजनीतिक गठबंधन बनाने में विफल रही है। राष्ट्रपति व्लोसा ओस्मानी को अब संसद भंग करनी होगी और 10 दिनों के भीतर जल्द चुनाव कराना होगा।

ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को सीएफपीबी का नेतृत्व करने के लिए नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो (सीएफपीबी) के अगले निदेशक के रूप में नामित किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना है, जिनके पास बैंकिंग या वित्तीय सेवाओं का कोई अनुभव नहीं है। यह ब्यूरो ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निष्क्रिय पड़ा है। लेवेनबैक वर्तमान में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय में एक सहयोगी निदेशक हैं और प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विज्ञान और जल संबंधी मुद्दों को संभालते हैं। लेवेनबैक के बायोडाटा में विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों से निपटने का अच्छा अनुभव दिखाई देता है, जहां उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया था।

इंडोनेशिया में फिर फट उठा ज्वालामुखी, 13 किलोमीटर तक उड़ी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने माउंट सेमेरु ज्वालामुखी में सिलसिलेवार और खौफनाक विस्फोटों के बाद बड़े स्तर पर अलर्ट जारी कर दिया है। हालात यह है कि कई गांवों को खाली कराया गया है और लोगों से एहतियातन ज्वालामुखी से कई किमी के दायरे से दूर रहने की सख्त चेतावनी दे दी गई है। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पर्यटन स्थल बाली से लगभग 310 किलोमीटर पश्चिम में पूर्वी जावा स्थित माउंट सेमेरू स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे फट गया। इंडोनेशिया का यह ज्वालामुखी सबसे घनी आबादी वाले द्वीप पर स्थित है। माउंट सेमेरू से गर्म राख और चट्टान, लावा और गैस के मिश्रण निकल रहे हैं जो बुधवार दोपहर से शाम तक कई बार ढलानों से सात किलोमीटर तक नीचे तक आ गए। वहीं गर्म बादल सतह से करीब दो किलोमीटर तक उठ गए हैं। एजेंसी ने बताया कि विस्फोटों के कारण कई गांव राख से ढक गए और अधिकारियों ने ज्वालामुखी को लेकर सतर्कता स्तर को उच्चतम कर दिया।

बॉर्डर के करीब आया रूस का जासूसी जहाज, ब्रिटेन की पुतिन को चेतावनी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने रूस को एक जासूसी जहाज को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की। ब्रिटेन ने कहा कि वह अपनी सीमाओं में किसी भी संभावित घुसपैठ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान तब आया जब रूसी जासूसी जहाज यंतर स्कॉटलैंड के उत्तर में ब्रिटेन के जलक्षेत्र की सीमा के पास देखा गया। ब्रिटेन ने कहा कि जहाज को स्कॉटलैंड के उत्तर में उसके जलक्षेत्र के किनारे संचालित किया जा रहा है और इसने 'रॉयल एयर फोर्स' (आरएएफ) के पायलट पर लेजर भी दागे हैं।

रक्षा मंत्री जॉन हीली ने लंदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि मेरा संदेश रूस और पुतिन के लिए यह है: हम आपको देख रहे हैं। हम जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। और यदि यंतर इस सप्ताह दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आरएएफ के पायलट पिछले कुछ सप्ताहों से यंतर नामक रूसी पोत पर नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह पोत ब्रिटेन के जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है और यह देश के समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए खतरा है।

रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात : मंत्री ने कहा- हमने इस जहाज की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात किए। इस दौरान यंतर ने हमारे पायलट पर लेजर दागे। रूस की यह कार्रवाई बेहद खतरनाक है और इस साल यह दूसरी बार है जब यह जहाज, यंतर, ब्रिटेन के जलक्षेत्र में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा- हमारी दुनिया बदल रही है। यह कम पूर्वानुमानित और अधिक खतरनाक हो गई है। पिछले साल ही हमने देखा है कि इजरायल-ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है, भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र टकराव की खबरें आईं, हमारे देश में चीनी जासूसों द्वारा लोकतंत्र को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने आईं, और पुतिन ने यूक्रेन में अपने युद्ध को और तेज कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष ही हमने यूरोप के आसमान में ड्रोन हमलों को देखा है, नाटो हवाई क्षेत्र में रूसी घुसपैठ के मामले दोगुने हो गये है, तथा अकेले ब्रिटेन की रक्षा प्रणाली पर 90,000 साइबर हमले हुए हैं। हेली ने कहा कि यह खतरे का एक नया दौर है। इसके लिए रक्षा के एक नए युग, मजबूत सहयोगियों और सुदृढ़ कूटनीति के युग की जरूरत है। और जैसे-जैसे खतरा बढ़ता है, ब्रिटेन को आगे आना होगा और हम आगे आ रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि ब्रिटेन में कम से कम 13 स्थानों की पहचान की गई है, जहां भविष्य के कारखाने बनाकर ब्रिटेन की युद्ध तैयारियों को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह दो नये ड्रोन कारखाने खुलेंगे, जो इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन रक्षा क्षेत्र में नवाचार के मामले में अग्रणी है। रूसी दूतावास की सख्त प्रतिक्रिया ब्रिटेन की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए लंदन स्थित रूसी दूतावास ने आरोप लगाया कि ब्रिटिश सरकार रूस-विरोधी प्रचार चला रही है और सैनिक उन्माद भड़का रही है। दूतावास ने बयान जारी करते हुए कहा कि मॉस्को की ब्रिटेन की सुरक्षा को कमजोर करने में कोई रुचि नहीं है।

यंतर क्यों है चिंता का कारण? ब्रिटिश अधिकारियों का कहना है कि यंतर रूसी नौसेना का हिस्सा है और इसे शांति काल में जासूसी तथा युद्धकाल में तोड़फोड़ के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी गतिविधियों का ब्रिटेन और उसके सहयोगी देश लगातार ट्रैक करते हैं। हीली ने कहा कि यह जहाज और इससे जुड़े अन्य रूसी पोत ब्रिटेन और उसके सहयोगियों के समुद्र के नीचे बिछे इंफ्रास्ट्रक्चर- जैसे पाइपलाइन और संचार केबल को जोखिम में डालने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने इस साल बाल्टिक सागर में पाइपलाइन और केबलों पर हुए हमलों का भी उल्लेख किया। यह पहली बार नहीं है जब यंतर ने ब्रिटेन की चौकसी को परखा हो। पिछले वर्ष चेतावनी मिलने के बाद यंतर वहां से भूमध्य सागर की ओर चला गया था। इस साल जनवरी में जब यह जहाज इंग्लिश चैनल से गुजरा, तो ब्रिटेन के फ्रिगेट एचएमएस समरसेट ने उसका पीछा किया था।

डोनाल्ड ट्रंप की 28 साल की अधिकारी ने 60 के शख्स से की शादी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन यानी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की उम्र महज 28 साल ही है, लेकिन उनकी शादी 60 वर्ष के निकोलस रिकियो से हुई है। इस शादी को लेकर अक्सर चर्चाएं रही है क्योंकि दोनों के बीच उम्र का फासला काफी अधिक है। अब इसे लेकर कैरोलिन ने एक पॉडकास्ट में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि यह असामान्य बात है कि हम दोनों के बीच उम्र का फासला इतना अधिक है। यहां तक कि मेरे पति की उम्र तो मेरी मां से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि इस शादी को लेकर मेरे पैरेंट्स को भी शुरुआत में दिक्कतें थीं और वे इसे लेकर सहज नहीं थे। उनसे पॉडकास्ट में पूछा गया कि आपको अपनी उम्र के लड़के नहीं मिले, जो मैच्योर भी हों? इस पर लेविट ने हंसते हुए जवाब दिया कि यदि आप सच्चाई जानना चाहते हैं और ईमानदारी से कहूं तो यही सच है। उन्होंने कहा कि मेरी अपने रियल एस्टेट डिवेलपर पति निकोलस रिकियो से 2022 में मुलाकात हुई थी। हमारी मीटिंग एक म्युचुअल फ्रेंड के माध्यम से हुई थी। उस समय लेविट न्यू हैंपशायर से चुनाव में उतरी थीं, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेविट ने स्वीकार किया कि मेरे पैरेंट्स को इस रिश्ते को स्वीकार करने में समय लगा और शुरुआत में वे इससे असहमत थे। ऐसा इसलिए भी था कि मेरे पति रिकियो की उम्र मेरी मां से भी अधिक है। प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि शुरुआत में इस रिश्ते पर आगे बढ़ने में मुश्किल हुई थी। लेविट ने कहा कि मैंने जब पहली बार रिकियो को देखा तो सोचा कि यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पारिवारिक रिश्ते भी काफी अच्छे हैं। हम सभी एक दोस्त की तरह हैं। मेरे पति मेरे पैरेंट्स का बहुत सम्मान करते हैं। हम सभी लोग जब मिलते हैं तो बहुत मस्ती और मजाक भी होता है। उन्होंने कहा कि मेरे पति शानदार व्यक्ति हैं। उनकी उम्र पर जाना ठीक नहीं है। वह सेल्फ मेड इंसान हैं और काफी शानदार हैं।

मंगल पर नासा ने खोजा रहस्यमय 'एलियन पत्थर', ग्रह की प्राकृतिक बनावट से बिल्कुल अलग; वैज्ञानिक हैरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसेवरेंस रोवर ने मंगल की सतह पर एक रहस्यमय पत्थर खोजा है। यह पत्थर लाल ग्रह की प्राकृतिक और भौगोलिक संरचना से बिल्कुल मेल नहीं खाता। वैज्ञानिकों ने 80 सेंटीमीटर लंबे इस पत्थर को फिप्साक्सला नाम दिया है। फिलहाल वे इसे एलियन रॉक के नजरिये से ही देख रहे हैं। इस पत्थर को 19 सितंबर, 2025 को लेफ्ट मास्टकैम-जेड कैमरे से तस्वीरों में कैद किया गया। उस समय रोवर जेजेरो क्रेटर के पास वर्नोडेन क्षेत्र की चट्टानों का नियमित अध्ययन कर रहा था। नासा ने इस खोज को अपने एक ब्लॉग में इस खोज को साझा किया है।

किसी अन्य सौरमंडल का हिस्सा हो सकता है फिप्साक्सला : यह पत्थर एक छोटी डेस्क जैसा दिखता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हो सकता है कि फिप्साक्सला को किसी अन्य सौरमंडल से यहां लाया गया हो। दूसरा तर्क यह भी है कि यह किसी प्राचीन उल्कापिंड वर्षा का परिणाम हो सकता है। यह चट्टान जिस बेडरॉक पर टिकी है वह इसके लंबे समय तक सुरक्षित रहने का संकेत देती है। 2014 में मिला था लेबनान उल्कापिंड क्यूरियोसिटी रोवर ने 2014 में दो मीटर चौड़े लेबनान और 2023 में काकाओ नामक उल्कापिंड खोजे थे। इन खोजों के बाद वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे थे कि जेजेरो में भी ऐसी धात्विक चट्टानें मिलेंगी, क्योंकि यह क्षेत्र काफी पुराना है और यहां अनेक छोटे प्रभाव-गड्ढे मौजूद हैं। यह उल्कापिंडों के नियमित गिरने का संकेत देते हैं। नासा अब इस रहस्यमयी चट्टान के इतिहास और उत्पत्ति की पुष्टि के लिए आगे की जांच कर रहा है।

दुनिया के सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। वोट से पहले दोनों पार्टियों के बीच संसद में तीखी बहस देखने को मिली। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर डॉक्यूमेंट्स तक पब्लिक एक्सेस में देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।

नेपाल: जेन-जी आंदोलन में 80 अरब की संपत्ति का नुकसान, उद्योगों से लेकर सरकारी ढांचे तक बड़ा नुकसान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आठ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन और नौ सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान 8,000 करोड़ (80 अरब) से अधिक नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। अर्थ (फाइनेंस) मंत्रालय के अनुसार, जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देशभर में सार्वजनिक संपत्ति, निजी व्यवसाय, संस्थान व व्यावसायिक समूहों को मिलाकर 80.22 अरब नेपाली रुपये की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। क्षति मूल्यांकन तथा पुनर्निर्माण अध्ययन उपसमिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट पर अर्थ मंत्रालय में चर्चा की। सरकार जहां लगभग एक खरब रुपये तक की क्षति का अनुमान लगा रही थी, वहीं उपसमिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह राशि उससे लगभग 20 अरब रुपये कम बताई गई है। 80.22 अरब में से 39 अरब रुपये का निजी क्षेत्र को, 28 अरब का संघीय सरकार को, चार अरब का प्रांतीय सरकारों को तथा नौ अरब का स्थानीय संरचनाओं व उद्योग व्यवसायों को नुकसान हुआ है। बैठक में उपसमिति ने बताया कि अभी अंतिम विवरण आना बाकी है।

जेन-जी और ओली समर्थकों में हुआ टकराव, कर्फ्यू : भारत के सीमावर्ती नेपाल के बारा जिले में जेन-जी व सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद क्षेत्र में बुधवार को कर्फ्यू लागू कर दिया गया। सीपीएन-यूएमएल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी है। बारा जिले के प्रशासनिक कार्यालय ने बताया कि सिमारा हवाईअड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। यह फैसला जेन-जी व पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों के बीच टकराव के बाद लेना पड़ा। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ युवाओं की नारेबाजी के बाद बढ़ा तनाव पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा सिमारा हवाईअड्डे पर जुट गए और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों में टकराव हो गया। यह टकराव उस समय हुआ, जब पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल व युवा नेता महेश बस्नेत काठमांडो से सिमारा आने वाले थे, जहां दोनों नेता सरकार विरोधी रैली को संबोधित करने वाले थे।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पलटवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।'

चुनाव से पहले और बाद में तीखी बयानबाजी : ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह यही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।'

ट्रंप की प्रतिक्रिया- 'बहुत गुस्से वाला भाषण' : ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'

कम्युनिज्म नहीं चला है- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बार भी चलेगा।'

न्यूयॉर्क को मिला पहला दक्षिण एशियाई, मुस्लिम मेयर : जोहरान ममदानी ने बेहद कड़े मुकाबले में यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और पहले मुस्लिम नेता बन गए हैं। उन्होंने रिपब्लिकन कैंडिडेट कर्टिस स्लिवा और पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्रयू क्युओमो को हराया। क्युओमो को चुनाव से ठीक पहले ट्रंप का समर्थन मिला था, फिर भी वह हार गए।

यूक्रेन के लिए योजना बना रहा अमेरिका, शांति बहाली के लिए भेजे गए शीर्ष सैन्य अधिकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए एक गोपनीय योजना पर काम कर रहा है। इस योजना से जुड़े एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि यह ट्रंप के कार्यकाल के सबसे अहम कूटनीतिक प्रयासों में से एक है। सीएनएन के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच चल रही गोपनीय बातचीत के मुख्य चेहरे हैं। वह इन वार्ताओं का नेतृत्व कर रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि क्रेमलिन किसी संभावित समझौते में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है, इसलिए इस हफ्ते बातचीत में तेजी आई है। इसी बीच सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल बुधवार को रक्षा मंत्रालय (जिसका नाम बदलकर अब युद्ध मंत्रालय कर दिया गया है) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम के साथ यूक्रेन पहुंचे। सेना के प्रवक्ता कर्नल डेव बटलर ने कहा कि वह युद्ध खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करने और यूक्रेनी अधिकारियों से मिलने के लिए तथ्य जांच (फैक्ट-चेक) मिशन पर आए हैं। अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह दौरा राष्ट्रपति के आदेश पर किया गया है, ताकि सरकार के शांति प्रयासों को फिर से आगे बढ़ाया जा सके। रिपोर्ट में बताया गया है कि ड्रिस्कॉल राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष यूक्रेनी नेताओं को युद्ध की वास्तविक स्थिति, हथियारों की जरूरत और संभावित कूटनीतिक तरीकों के बारे में जानकारी देंगे। इस यात्रा की जानकारी सबसे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री डेनिस श्मिहाल ने टेलीग्राम पर ड्रिस्कॉल के साथ अपनी बैठक की पुष्टि की और दोनों की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने हर दिन यूक्रेनी नागरिकों की जान बचाने में अमेरिकी समर्थन के लिए उनका आभार जताया। ड्रिस्कॉल पहले की बैठकों में नजर नहीं आए थे। लेकिन वह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। दोनों येल लॉ स्कूल में साथ थे। ड्रिस्कॉल मुख्य रूप से रक्षा खरीद के मामलों पर काम करते रहे हैं। उनके साथ आने वाले अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज, यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष कमांडर जनरल क्रिस डोनाहू और आर्मी के सार्जेंट मेजर माइकल वीमर भी शामिल थे। रूस के अधिकारियों ने भी शीर्ष स्तर पर वार्ता जारी होने की पुष्टि की और सीएनएन को बताया कि अमेरिका-रूस की बातचीत जारी है, जिसमें विटकॉफ भी शामिल हैं। रूसी विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने अक्तूबर में अमेरिका का दौरा किया था, जहां उन्होंने कई बैठकें कीं। एक रूसी सूत्र ने इन बैठकों को 'बहुत उत्पादक चर्चा' बताया। एक्सिओस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच जिस मसौदे पर बातचीत हो रही है, वह 28 बिंदुओं का है और इसमें यूक्रेन व यूरोप की सुरक्षा गारंटी, साथ ही अमेरिका के दोनों देशों के साथ भविष्य के संबंधों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। जब इस बारे में पूछा गया, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रिपोर्ट को कम महत्व दिया और कहा कि अभी बताने के लिए कुछ नई चीज नहीं है।

गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की की कार्रवाई में गड़बड़ी, आरोपी की जगह दूसरे की संपत्ति कुर्क कर दी

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले की है, जहाँ गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की की कार्रवाई में दो बड़ी प्रशासनिक और पुलिस की गलतियाँ सामने आई। गैंगस्टर एक्ट के आरोपी अशोक कुमार पुत्र रामशरण निवासी शेखुपुर नैपई, थाना रामगढ़ की संपत्ति कुर्क करनी थी। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने गलती से गैंगस्टर के आरोपी की जगह, रामशरन यादव निवासी नगला मोती, थाना दक्षिण की किसान भूमि पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया और संपत्ति को कुर्क कर दिया। गलती का पता चलने के बाद, पुलिस अब रामशरण यादव की संपत्ति को धारा 15/1 के तहत कार्रवाई से मुक्त करने और आरोपी अशोक कुमार की सही संपत्ति को कुर्क करने की तैयारी कर रही है। सीओ सिटी प्रवीन तिवारी ने बताया कि कुर्की की कार्रवाई उपनिबंधक सदर तहसील की रिपोर्ट के आधार पर की गई थी। गैंग लीडर गोल्डी उर्फ बबलू राठौर की 2 करोड़ 01 लाख 28 हजार पन्द्रह रुपये की अचल संपत्ति (जिसमें सुहागनगर, थाना दक्षिण स्थित मकान शामिल था) को कुर्क करना था। फरिहा पुलिस ने ढोल नगाड़े बजाकर गैंग लीडर गोल्डी उर्फ बबलू के बजाय, उनकी पत्नी के मकान को सील कर दिया। देर शाम जब गैंग लीडर की पत्नी कोर्ट से घर लौटीं और उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी गलती बताई, तो अधिकारी देर रात फिर मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने महिला के मकान की सील तोड़ी, बोर्ड हटाया, और फिर सामने स्थित सही मकान को सील करने की कार्रवाई की।

कोयला माफिया के खिलाफ ईडी का सख्त एक्शन, बंगाल और झारखंड में 40 जगह मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोयला माफिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कार्रवाई की है। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफियाओं के खिलाफ एक्शन लिया है। माफिया के खिलाफ पश्चिम बंगाल और झारखंड में 40 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में 24 परिसरों में अवैध कोयला खनन, अवैध परिवहन और कोयले के भंडारण मामले के संबंध में तलाशी ले रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, नरेंद्र खरका, अनिल गोयल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कयाल और अन्य के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से ईडी की छापेमारी चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी झारखंड में 18 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये छापेमारी कोयला चोरी और स्मगलिंग के कई बड़े मामलों से जुड़े हैं, जिनमें अनिल गोयल, संजय उद्योग, एलबी सिंह और अमर मंडल के मामले शामिल हैं। बता दें कि इन सभी मामलों को मिलाकर कोयले की बड़ी चोरी और चोरी शामिल है, जिससे सरकार को सैकड़ों करोड़ का भारी आर्थिक नुकसान नुकसान हुआ है।

संघ नेता के पोते की हत्या की साजिश विदेश में रची गई, कॉन्ट्रैक्ट किलर को दी सुपारी

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर के मोची बाजार में आरएसएस नेता बलदेव कृष्ण अरोड़ा के पोते नवीन अरोड़ा की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी साजिश विदेश में बैठे एक व्यक्ति ने रची थी। उसने एक कॉन्ट्रैक्ट किलर को 65 हजार रुपए की सुपारी देकर हत्या की योजना बनाई। जांच में पता चला कि सुपारी देने वाले व्यक्ति ने 25 हजार रुपए नकद और 40 हजार रुपए हथियार खरीदने के लिए दिए थे। अब यह पता लगाया जा रहा है कि विदेश में बैठा यह मास्टरमाइंड कौन है और उसने नवीन को मरवाने की योजना क्यों बनाई। 15 नवंबर को हुए इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी गुरसिमरन उर्फ जतिन उर्फ काला को पुलिस एनकाउंटर कर काबू कर चुकी है। पुलिस नाके पर रुकने के बजाय उसने गोलियां चला दीं जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसकी टांग में तीन गोलियां लगीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके ठीक होने के बाद पूछताछ की जाएगी। इससे पहले पुलिस इस मामले में शामिल हर्ष और कनव को गिरफ्तार कर चुकी है। एसएसपी ने बताया कि घटना में फरार आरोपी बादल और उसके एक साथी की तलाश जारी है। पुलिस जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

न्यायिक अधिकारी फैसलों में घायल व्यक्तियों की चोट का उल्लेख जरुर करें : हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों को निर्णयों में, घायल व्यक्तियों की चोट का आवश्यक रूप से उल्लेख करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राजीव मिश्र और न्यायमूर्ति अजय कुमार की खंडपीठ ने सुनील कुमार यादव नामक एक व्यक्ति की अपील खारिज करते हुए कहा कि हमें यह देखकर दुख हुआ कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अपने फैसले में मृतक के शव पर लगी चोट का उल्लेख नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने 3 मार्च, 2002 और 3 मार्च, 1982 को जारी सर्कुलर में न्यायिक अधिकारियों को फैसलों में घायल व्यक्तियों की चोट का उल्लेख करने का स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था। हमें उम्मीद और विश्वास है कि सभी न्यायिक अधिकारी उक्त परिपत्र का अनुपालन करेंगे।

मुकेश सहनी की पार्टी के नेता की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण में सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता की हत्या की गई है। बाइक पर सवार बदमाशों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। मृतक कामेश्वर सहनी, 40 वर्ष प्रखंड अध्यक्ष के दायित्व में थे। मृतक का आपराधिक इतिहास है। नक्सली गतिविधियों में संलिप्तता भी रही है। जानकारी के मुताबिक छौड़ादानो प्रखंड अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कामेश्वर सहनी तिनकोनी गांव के निवासी थे। शुक्रवार सुबह घर शौच करने के बाद बाहर हाथ धो रहे थे। तभी दो बाइक से आए तीन हथियार बंद अपराधियों ने गोलियों से कामेश्वर को छलनी कर दिया। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना से चीख पुकार मच गई। उनका खुद आपराधिक इतिहास रहा है। उनके विरुद्ध थाने में कई मामले दर्ज हैं। पूर्व में नक्सली गतिविधि में संलिप्तता रही है। हत्या की खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद व कई थाने की पुलिस पहुंची। डॉग स्क्वायड टीम भी पहुंच जांच कर रही है। डीएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बिहार चुनाव की जीत के साथ ही धर्मेंद्र प्रधान की भाजपा अध्यक्ष के लिए दावेदारी मजबूत

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विस्तार दिया गया।

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचंड जीत से सियासी गलियारों में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है भाजपा अध्यक्ष पद पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। इसकी बड़ी वजह बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा का शानदार प्रदर्शन है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भाजपा ने बिहार में प्रधान को चुनाव प्रभारी बनाया था।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि बिहार में यह जीत भाजपा और आरएसएस में अध्यक्ष पद को लेकर जारी खींचतान खत्म करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन ने उन्हें इस पद की दौड़ में आगे कर कर दिया है। चुनाव से पहले वह लंबे समय तक बिहार में रहे। एक ओर जहां उन्होंने बागियों को नामांकन वापस लेने में मनाया। वहीं, कैडर को भी मजबूत करने में सफलता हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा, महाराष्ट्र और अब बिहार चुनाव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी को मजबूती दी है, जिसपर लोकसभा चुनाव के दौरान मिले झटके के चलते असर पड़ा था। अखबार से बातचीत में एक केंद्रीय मंत्री ने कहा, मोदी जी अब आरएसएस को मनाने में सफल हो सकते हैं कि भाजपा का अध्यक्ष उनकी चॉइस का हो।

जुलाई में इस पद के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम भी आगे चल रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, जब भाजपा ने यादव और प्रधान का नाम आगे बढ़ाया, तो आरएसएस ने मंजूरी देने से पहले विचार विमर्श की जरूरत बताई थी। कहा जाता है कि प्रधान ने ही ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा को बीजू जनता दल से अलग होकर चुनाव लड़ने के लिए मनाया था, जिसके बाद भाजपा राज्य में सत्ता बनाने में सफल हुई। रिपोर्ट में एक भाजपा नेता के हवाले से बताया गया है, इससे पहले संकेत मिल रहे थे कि दक्षिण से नेता भाजपा अध्यक्ष बना सकता है। उप राष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन के चुनाव के बाद यह माना जाने लगा है कि पार्टी प्रमुख उत्तर से होगा। मौजूदा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का तीन साल का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो चुका था, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विस्तार दिया गया।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला फंसे बेंगलुरु ट्रैफिक पर, ली चुटकी

-मंत्री बोले- व्यवस्था सुधारने पर काम चल रहा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु का भारी ट्रैफिक एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार इसे लेकर मजेदार टिप्पणी की है एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने। दरअसल बेंगलुरु टेक समिट में शामिल होने पहुंचे शुभांशु ने कहा, कि अंतरिक्ष में यात्रा करना, शहर के ट्रैफिक को पार करने से कहीं ज्यादा आसान है। कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने बताया कि वे शहर के दूसरे छोर पर स्थित मराठहल्ली से बेंगलुरु इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) तक पहुंचे, जिसकी दूरी लगभग 34 किलोमीटर है। सामान्य परिस्थितियों में यह सफर एक घंटे से अधिक लेता है, हालांकि उन्हें इसमें कितना समय लगा, यह स्पष्ट नहीं हो पाया। मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं मराठहल्ली से यहां पहुंचा हूं। मेरे प्रेजेंटेशन में जितना समय लगेगा, उससे तीन गुना समय मैंने सड़क पर बिताया है। उम्मीद है कि आप मेरे कमिटमेंट को समझेंगे। उनकी यह टिप्पणी सुनकर सभागार में मौजूद लोग हंसी रोक नहीं सके और कई तो देर तक मुस्कुराते रहे। शुभांशु शुक्ला की इस मजाकिया टिप्पणी ने न केवल कार्यक्रम में हल्का-फुल्का माहौल बनाया, बल्कि बेंगलुरु के लंबे समय से चले आ रहे ट्रैफिक मुद्दे को भी एक बार फिर चर्चा में ला दिया।

कर्नाटक सरकार का जवाब

कर्नाटक के आईटी-बीटी मंत्री प्रियंक खड़गे ने शुभांशु की टिप्पणी को संज्ञान में लिया और सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, कि सरकार शहर में यात्रा समय कम करने और ट्रैफिक प्रबंधन सुधारने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम ऐसी दिक्कतें आगे न हों, इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने संस्कृत को मरी हुई भाषा करार दिया, बीजेपी हुई हमलावर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एक और नया विवाद खड़ा किया है। स्टालिन ने केंद्र सरकार की भाषाओं के विकास को लेकर की जा रही फंडिंग पर सवाल उठाकर संस्कृत को मरी हुई भाषा करार दिया। इतना ही नहीं डीएमके नेता स्टालिन ने मोदी सरकार पर तमिल भाषा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया। बता दें, उदयनिधि सनातन और हिंदी विरोधी अपने बयानों के लिए जाने जाते हैं। चेन्नई में कार्यक्रम में पीएम मोदी के हालिया बयानों पर हमलावर उदयनिधि ने उन पर तमिल की उपेक्षा करने और संस्कृत को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पीएम मोदी को सीधे संबोधित कर स्टालिन ने कहा, जब आप तमिल सीखने के लिए इतने ही बेताब हैं, तब बच्चों को हिंदी और संस्कृत क्यों पढ़ा रहे हैं? इतना ही नहीं मुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि ने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में केंद्र ने संस्कृत के विकास के लिए करीब 2400 करोड़ खर्च किए हैं, जबकि तमिल भाषा के लिए केवल 150 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उदयनिधि के बयान के बाद तुरंत ही राजनीतिक विवाद शुरू हुआ है। भारतीय जनता पार्टी ने उदयनिधि पर हमलावर होकर उन पर सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा नेत्री तमिलिसाई सौंदरराजन ने उदयनिधि के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि तमिल भाषा और तमिल संस्कृति कभी भी किसी भाषा को नीचा दिखाने का समर्थन नहीं करती। उन्होंने कहा, हम अपनी भाषा की तारीफ कर सकते हैं, सराहना कर सकते हैं, लेकिन तमिल संस्कृति हमें दूसरी भाषा का अपमान करने की अनुमति नहीं देती है।

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में इस्तीफों का दौर, महिला प्रदेश अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस में इस्तीफों का दौर शुरू हुआ है। कांग्रेस की महिला प्रदेश अध्यक्ष सरवत जहां फातमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी आलाकमान पर टिकट बंटवारे में महिलाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, बिहार चुनाव में हार के बाद कांग्रेस के नाराज गुट के नेताओं द्वारा भी पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में धरना दिया जा रहा है।

महिला नेता फातमा ने कहा कि पार्टी ने चुनाव में टिकट बंटवारे में महिलाओं को सिर्फ 8 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया, जो कि बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि वे दो साल से ज्यादा समय से महिला अध्यक्ष के पद पर थीं। इस दौरान पार्टी के सभी महिला कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर जाकर मेहनत की। महिलाओं की आवाज को उठाकर संघर्ष किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिलेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। सरवत ने कहा कि उनसे पहले बिहार की महिला कांग्रेस अध्यक्ष रहीं लीडर को चुनाव में टिकट दिए जाते रहे हैं। मगर उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

पार्टी को मिली शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस में विरोध के सुर तेज हो गए हैं। चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में गफलत का आरोप लगाकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ धरना देने वाले कांग्रेसियों ने फिर से प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्टी के नाराज गुट के नेता प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू से इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं।

भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) ने रेखा गुप्ता सरकार और आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई पर निशाना साधा है। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही है। आप के अनुसार, भाजपा सरकार कई विशेष बैठकें बुलाकर और फांसी घर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को नोटिस जारी करके दिल्ली के गहराते पर्यावरणीय संकट और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए विधायी समितियों का इस्तेमाल कर रही है। आप ने कहा कि भाजपा विधायी समितियों को हथियार बना रही है।

आप ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के मूल आधार पर ही सवाल उठाया है। आप ने बताया कि समिति द्वारा उद्धृत घटना अगस्त 2022 में सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी, जिसे फरवरी 2025 में भंग कर दिया गया था। आप का तर्क है कि एक बार विधानसभा भंग हो जाने पर, उसके विशेषाधिकार और कार्यवाही समाप्त हो जाती है। इसलिए, आठवीं विधानसभा पिछले कार्यकाल से संबंधित मामलों पर विशेषाधिकार प्राप्त कार्रवाई शुरू या जारी नहीं रख सकती। आप ने अमरिंदर सिंह बनाम पंजाब विधानसभा (2010) मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देकर कहा कि विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई कानूनी रूप से अस्थिर, प्रक्रियात्मक रूप से अस्थिर और पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। आप ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण संकट की अनदेखी करते हुए विशेषाधिकार समिति की विशेष बैठक बुलाई।

पार्टी ने चिंता व्यक्त की कि डॉक्टर अब सार्वजनिक रूप से परिवारों को सलाह दे रहे हैं कि छोटे बच्चे या बुजुर्ग सदस्य होने पर वे दिल्ली छोड़ दें। आप ने पूर्व एम्स निदेशक का हवाला देकर कहा कि दिल्ली में व्याप्त जहरीला धुआं अब कोविड-19 से भी ज्यादा मौतों का कारण बन रहा है, और सूक्ष्म कण हृदयाघात, स्ट्रोक, मनोभ्रंश और बांझपन का खतरा बढ़ा रहे हैं, जिससे बच्चों के फेफड़े सबसे ज्यादा कमजोर हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कसा तंज बोले- पैसा बांटना वेलफेयर नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने चुनाव में नगदी बांटने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने तंज कसते कहा है कि इस तरह कैश बांटने को कोई वेलफेयर नहीं होता है। संविधान की भावना को इसके जरिए ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव में पैसा बांट देना कोई वेलफेयर नहीं है। दिल्ली में एक आयोजन को संबोधित करते हुए मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि अंतर समाप्त करने के लिए यह जरूरी है कि छोटे राज्यों का गठन किया जाए। ऐसा यह ध्यान रखते हुए किया जाए कि सभी राज्यों की आबादी लगभग बराबर हो और उनमें लोकसभा और विधानसभा की सीटें भी लगभग समान हों।

पूर्व चुनाव आयुक्त और पूर्व लॉ सेक्रेटरी वी कृष्णमूर्ति के 91वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को मुरली मनोहर जोशी संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भले ही देश के हर नागरिक के पास वोट का समान अधिकार है, लेकिन यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में किसी व्यक्ति की आर्थिक ताकत कितनी होती है? वह अपनी उस ताकत को बनाए रखने के लिए वोट डालता है। लेकिन जब हम रेगिस्तान, पहाड़ और पूर्वोत्तर में रह रहे लोगों की बात करते हैं तो उनकी आर्थिक स्थिति क्या रहती है।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर अन्य अधिकारों को प्रदान करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक स्थिति और विकास में असमानता है तो यह भेदभाव जैसी स्थिति है। कल्याणकारी व्यवस्था का यह मतलब नहीं है कि चुनाव से पहले कैश का वितरण कर दिया जाए। आज लोग सवाल उठाते हैं कि चुनाव से पहले कैश बांटा जा रहा है। सरकार कहती है कि ऐसा वेलफेयर के लिए किया जा रहा है। लेकिन लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं बल्कि आप वोट खरीदने के लिए पैसे बांटते हैं। मुरली मनोहर जोशी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बिहार चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार सरकार की ओर से महिलाओं को 10 हजार रुपये देने वाली स्कीम पर चर्चा चल रही है। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री ने कहा कि संविधान हमें न्याय का अधिकार देता है। यह अधिकार हमें आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए भी मिला है। उन्होंने कहा, राजनीतिक अधिकार की बात करें तो इसके लिए हमारे पास वोट का हक है। लेकिन इस वोट के अधिकार का तब तक अच्छे से इस्तेमाल नहीं हो सकता, जब तक कि आर्थिक न्याय न मिले। भीमराव आंबेडकर ने भी इस पर काफी बात कही थी। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह जरूरी है कि आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की समानता के लिए एक व्यवस्था बने। इसके लिए यह जरूरी है कि सभी इलाकों का विकास समान हो।

चुनावा आयोग को सुवेंदु ने पत्र लिखकर कहा- एसआईआई को निरंतरता बनाएं रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता (ईएमएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता, सुवेंदु अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिख कर अनुरोध किया है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर का काम लगातार जारी रखना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सीईसी ज्ञानेश कुमार को लिखे उस लेटर के बाद आया है, जिसमें राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को तुरंत रोकने की मांग की गई थी। अपने लेटर में, सुवेंदु अधिकारी ने सीईसी को लिखे ममता बनर्जी के लेटर के दावों को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि एसआईआर को पश्चिम बंगाल में बिना प्लान के, अस्त-व्यस्त और खतरनाक तरीके से थोपा गया, जिससे आम लोगों में घबराहट पैदा हुई और चुनाव अधिकारियों, खासकर बूथ-लेवल अधिकारियों (बीएलओ), पर बहुत ज्यादा काम का बोझ पड़ा है।

सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि सीईसी को ममता बनर्जी का लेटर एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट को साफ करने के अभियान को रोकने की एक बेताब कोशिश थी और उनके लेटर का कंटेंट पॉलिटिकली मोटिवेटेड और असल में बोगस था। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के लिए सीईसी को लेटर भेजने का मुख्यमंत्री का कदम असली वोटरों को बचाने के लिए नहीं था, बल्कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के रूप में बोगस वोटरों को बचाने की एक पैनिक से भरी कोशिश थी, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाने में कामयाब रहे। इससे पहले गुरुवार को, सुवेंदु अधिकारी ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि राज्य में बीएलओ पर दबाव एसआईआर से जुड़े काम के बोझ की वजह से नहीं है, जैसा कि मुख्यमंत्री बनर्जी ने दावा किया है, बल्कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर की तरफ से उन पर रिवीजन एक्सरसाइज के संबंध में गलत तरीकों का सहारा लेने के लिए बेवजह दबाव की वजह से है। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पूर्वी मिदनापुर, हुगली और पूर्वी बर्दवान जैसे जिलों में, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर भी बूथ-लेवल अधिकारियों पर अपने ऑफिशियल ओटीपी या तो डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के साथ या डेटा एंट्री ऑपरेटर के तौर पर नियुक्त सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ शेयर करने का दबाव डालकर फुल-टाइम तृणमूल कांग्रेस के चुनाव एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे।

आउंट आबू के आसमान में घूम रहे एलियन की भारतीय वैज्ञानिकों ने बताई हकीकत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय वैज्ञानिकों ने उन अटकलों को विराम लगा दिया जिसमें कहा जा रहा था कि आसमान में एलियन के जहाज उड़ रहे हैं। भारतीय और अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इंटरस्टेलर वस्तु 31/एटलस की ताजा तस्वीरें जारी की हैं। इसी के साथ वैज्ञानिकों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह एक सामान्य धूमकेतु है, न कि कोई 'एलियन स्पेसशिप। इससे पहले कुछ खगोलविदों ने अनुमान लगाया था कि ये चमकती चीज एलियन का जहाज हो सकती है। अहमदाबाद स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने 12 से 15 नवंबर के बीच इस इंटरस्टेलर धूमकेतु का अवलोकन किया और इसकी खास तस्वीरें कैद कीं। इसी के साथ बुधवार को नासा ने भी 31/एटलस की नई तस्वीरें जारी कीं और विदेशी जीवन की किसी भी संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

पीआरएल के विश्लेषण के अनुसार, 31/एटलस में प्रमुख गैसीय उत्सर्जनों की उत्पादन गति लगभग 10 अणु/सेकंड रही, जो इसे सौरमंडल के 'टिपिकल धूमकेतुओं' की श्रेणी में रखती है। 31/एटलस फिलहाल भीतरी सौरमंडल को छोड़कर बाहर की ओर बढ़ रहा है। भारतीय वैज्ञानिकों ने बताया कि जैसे-जैसे यह रात्रि आकाश के गहरे हिस्से में पहुंचेगा, इसके और अवलोकन किए जाएंगे।

इसरो के अनुसार, पीआरएल के वैज्ञानिकों ने माउंट आबू में 1.2-मीटर टेलीस्कोप (ऊंचाई 1680 मीटर) की मदद से 31/ एटलस को इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक मोड में देखा। तस्वीरों में धूमकेतु का एक लगभग गोलाकार कोमा दिखाई देता है। कोमा वह चमकीला वातावरण है जो धूमकेतु के नाभिक के आसपास बनता है, जब सूर्य की गर्मी से उसकी बर्फीली सतह गैस और धूल में बदलकर फैलने लगती है। वैज्ञानिकों ने धूमकेतु के प्रकाश का स्पेक्ट्रम भी रिकॉर्ड किया है। नासा की विज्ञान मिशन निदेशालय की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निकोल फॉक्स ने कहा कि यह बिल्कुल धूमकेतु जैसा ही व्यवहार कर रहा है। हमें अब तक कोई भी ऐसा तकनीकी संकेत नहीं मिला जो यह सुझाए कि यह किसी एलियन जहाज का हिस्सा है। उन्होंने इसे हमारे सौरमंडल का दोस्ताना मेहमान कहा। नासा के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर अमित क्षत्रिय ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि यह दिखने और व्यवहार, दोनों में एक धूमकेतु है। सभी वैज्ञानिक साक्ष्य इसी ओर इशारा करते हैं। नासा ने बताया कि 31/एटलस का अध्ययन हबल, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप, तथा मंगल की कक्षा में घूम रहे सैटेलाइट सहित एक दर्जन से अधिक वैज्ञानिक प्लेटफॉर्म पर किया गया है।